हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 74 | जौनपुर, शनिवार 09 दिसम्बर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

स्मृति ईरानी ने पिता के साथ पीएम मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने अपने पिता अजय कुमार मल्होत्रा के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। पीएम नरेंद्र मोदी के साथ हुई मुलाकात में उन्होंने स्मृति ईरानी का खास अंदाज में सराहना भी की है। स्मृति ईरानी ने भी मजाकिया अंदाज में अपने पिता के साथ पीएम मोदी की इस मुलाकात को अपने बॉस और पिता की मुलाकात कहा है। इस मुलाकात की तस्वीर स्मृति ईरानी ने खुद ही शेयर की है। मुलाकात की फोटो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा कि जब बॉस पिता से मिलते हैं..... आप प्रार्थना करते हैं कि वे आपकी शिकायतों आदान प्रदान ना करें। रुच्ज्ड चल रही है। स्मृति ईरानी द्वारा शेयर की गई फोटो में स्मृति ईरानी अपने पिता के साथ बैठकर पीएम मोदी के साथ बात करते हुए दिख रही है। इस पोस्ट के बाद कई लोगों ने इसे शेयर करने के साथ कमेंट भी किए है।

लालदुहोमा ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

नई दिल्ली (एजेन्सी)। जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के नेता लालदुहोमा ने शुक्रवार को मिजोरम के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। मिजोरम के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति ने राजभवन परिसर में लालदुहोमा को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह सुबह 11 बजे आइजोल में हुआ। मिजोरम में विधानसभा चुनाव 2023 के लिए हाल ही में घोषित परिणामों में, ˆच्ड ने पूर्वोत्तर भारत के राज्य में सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए 40 में से 27 सीटें जीतीं। मिजोरम विधानसभा चुनाव 2023 में, लालदुहोमा को सेरछिप निर्वाचन क्षेत्र से विधायक चुना गया था। उन्हें कुल 8314 वोट मिले जो दूसरे सबसे अच्छे प्रदर्शन करने वाले मिजो नेशनल फ्रंट के जे. माल्सावमजुआला वानचावंग से 2982 अधिक थे। 74 वर्षीय लालदुहोमा पूर्व भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी हैं। उन्हें 1977 में आईपीएस के लिए चुना गया था।

भाजपा ने की पर्यवेक्षकों की नियुक्ति

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के मुख्यमंत्रियों के चयन की निगरानी के लिए शुक्रवार को केंद्रीय पर्यवेक्षकों की घोषणा की है। पर्यवेक्षक विधान सभा के निर्वाचित सदस्यों (विधायकों) की बैठकें बुलाने के लिए इन राज्यों का दौरा करेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विनोद तावड़े और सरोज पांडे राजस्थान के पर्यवेक्षक होंगे। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, के लक्ष्मण और आशा लाकड़ा मध्य प्रदेश में पर्यवेक्षक होंगे और जहां तक छत्तीसगढ़ का सवाल है, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, सर्बानंद सोनोवाल और दुष्यंत गौतम मुख्यमंत्री के चयन की प्रक्रिया की देखरेख करेंगे। राज्यों में पार्टी के मुख्यमंत्री पद के चेहरों पर कई दिनों तक चले मंथन के बाद यह घटनाक्रम सामने आया है। जिन राज्यों में पार्टी विजयी हुई, वहां के विभिन्न नेताओं ने 3 दिसंबर से पिछले कुछ दिनों में राष्ट्रीय राजधानी का दौरा किया।

राम मंदिर का लगातार बढ़ रहा है खजाना

नई दिल्ली (एजेन्सी)। अयोध्या में बन रहे भव्य श्रीराम मंदिर का पहला चरण पूरा होने वाला है। पहले चरण का निर्माण कार्य अपने अंतिम स्तर पर पहुंच चुका है। राम मंदिर के भव्य निर्माण को पूरा होता देखने के लिए श्रद्धालु बेहद उत्सुक है। अयोध्या में बना रहे श्री राम मंदिर के पहले चरण का निर्माण कार्य लगभग पूरा होने वाला है इसके बाद भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में चंदा दे कर रहे हैं। राम मंदिर निर्माण के लिए दान अब भी लगातार आ रहा है। इसकी जानकारी श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से दी गई है। ट्रस्ट का कहना है कि राम मंदिर केक खजाने में हर दिन बढ़ोतरी हो रही है। मंदिर की खजाने के संबंध में ट्रस्ट की कोषाध्यक्ष ने जानकारी देते हुए बताया कि हमें एफसीआई से भी प्रमाण पत्र मिल चुका है। प्रमाण पत्र मिलने के बाद राम मंदिर निर्माण के लिए विदेश से भी चंदा भरपूर मात्रा में आ रहा है।

देहरादून में बोले पीएम मोदी – टूरिज्म का सशक्त ब्रांड बनकर उभरने वाला है देवभूमि, 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का होगा

देहरादून (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का होगा। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड में आकर मन धन्य हो जाता है। कुछ वर्ष पहले जब मैं बाबा केदार के दर्शन के लिए निकला था, तो अचानक मेरे मुंह से निकला था कि 21वीं सदी का ये तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक है। मुझे खुशी है कि अपने उस कथन को मैं लगातार चरितार्थ होते हुए देख रहा हूं। उन्होंने कहा कि बीते दिनों उत्तरकाशी में टनल से हमारे श्रमिक भाईयों को सुरक्षित निकालने का जो सफल अभियान चला, उसके लिए मैं राज्य सरकार समेत सभी का अभिनंदन करता हूं। मोदी ने कहा कि सामर्थ्य से भरी ये देवभूमि निश्चित रूप से आपके लिए बहुत सारे द्वार खोलने जा रही है। आज भारत विकास भी और विरासत भी के जिस मंत्र के साथ आगे बढ़ रहा है, उत्तराखंड उसका प्रखर उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आपको आज देश में नीति–संचालित शासन दिखेगी, आपको आज राजनीतिक स्थिरता के लिए देशवासियों का मजबूत आग्रह दिखेगा। उन्होंने कहा कि आकांक्षी भारत आज अस्थिरता नहीं चाहता, वह आज स्थिर सरकार चाहता है। हाल में हुए विधानसभा चुनाव में हमने ये देखा है और उत्तराखंड के लोगों ने इसे पहले ही करके दिखाया है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज भारत और भारतीयों को दुनिया जिस उम्मीद और सम्मान से देख रही है, उसे हर भारतीय एक दायित्व के रूप में ले रहा है। हर देशवासी को लगता है कि विकसित भारत का निर्माण उसकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की सरकार अपनी तरफ से जमीनी सच्चाई को समझते हुए यहां तेजी से काम कर रही है और भारत सरकार की योजनाओं को, हमारे विजन को भी उतनी ही तेजी से जमीन पर उतारती है। मोदी ने कहा कि पहले की सरकारों की अप्रोच थी कि जो इलाके सीमा पर हैं, उनको ऐसे रखा जाए कि बबमे कम हो। डबल इंजन की सरकार ने इस सोच को भी बदला है। हम सीमावर्ती गांवों को लास्ट विलेज नहीं, बल्कि देश के फर्स्ट विलेज के रूप में विकसित करने में जुटे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत को देखने के लिए भारतीयों और विदेशियों दोनों में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है। हम पूरे देश में थीम बेस्ड टूरिज्म सर्किट तैयार कर रहे हैं। कोशिश ये हैध कि भारत के नेचर और हेरिटेज दोनों से ही दुनिया को परिचित कराया जाए। इस अभियान में उत्तराखंड, टूरिज्म का एक सशक्त ब्रांड बनकर उभरने वाला है। उन्होंने कहा कि मेरा एक संकल्प है, आने वाले कुछ समय में इस देश में 2 करोड़ ग्रामीण महिलाओं को लखपति बनाने के लिए मैंने श्लखपति दीदीश अभियान चलाया है। हाउस ऑफ हिमालय ब्रांड से 2 करोड़ ग्रामीण महिलाओं को लखपति बनाने का काम तेजी से पूरा हो जाएगा।

दो दिवसीय दौरे पर गोरखपुर आएंगे सीएम योगी, विभिन्न कार्यक्रमों में लेंगे हिस्सा

गोरखपुर (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को दो दिवसीय दौरे पर आएंगे। वह महंत दिग्विजयनाथ पार्क में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होंगे। इसके बाद महादेव झारखंडी शिव मंदिर के पास विकसित भारत संकल्प यात्रा में शामिल होंगे। वहां लाभार्थियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्चुअल संबोधन सुनेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर बृहस्पतिवार को डीएम कृष्णा करुणेश, एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर और नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर तैयारियां जांचीं। जिला समाज कल्याण अधिकारी वशिष्ठ नारायण सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन सुबह 10 बजे से होगा। मुख्यमंत्री नवदंपतियों को आशीर्वाद देंगे। सामूहिक विवाह कार्यक्रम को दो पालियों में आयोजित किया गया है। उन्होंने बताया कि पहली पाली में शहर से सटे ब्लॉकों के पात्र आवेदकों का विवाह कार्यक्रम होगा, दूसरी पाली में अन्य ब्लॉकों के लोगों को बुलाया गया है। पूरे आयोजन में करीब 1500 लोगों को सामूहिक विवाह कराया जाएगा। सभी आवेदनों की पात्रता की जांच की जा रही है। इसके अलावा मुख्यमंत्री दोपहर दो बजे गोरखनाथ मंदिर के वीवीआईपी गेट के सामने जिला सहकारी फेडरेशन के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण करेंगे। महादेव झारखंडी शिव मंदिर के पास विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत कई कार्यक्रम होंगे।

छह गारंटियों को पूरा करना सीएम रेवंत रेड्डी की बड़ी चुनौती

कहा जाता है कि छह गारंटियों को उजागर करने वाला कांग्रेस का मजबूत अभियान पार्टी की जीत के कारणों में से एक था

तेलंगाना (एजेन्सी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद रेवंत रेड्डी के समक्ष अपने वादों को पूरा करने की बड़ी चुनौती हैं। शपथ लेने के कुछ देर बाद ही अपने अभियान का एक प्रमुख वादा पूरा करते हुए आधिकारिक आवास के सामने लगे लोहे के बैरिकेड हटा दिए। शपथ ग्रहण समारोह समाप्त होने से पहले ही, मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास, हैदराबाद में प्रगति भवन में उन्मत्त गतिविधि थी। आवास के बाहर कई बुलडोजर, ट्रैक्टर और निर्माण श्रमिकों को लोहे की छड़ें उखाड़ते देखा गया। अपने गहन चुनाव अभियान के दौरान, रेड्डी ने कहा था कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो वह बैरिकेड हटा देंगे। रेवंत रेड्डी भारत के सबसे युवा राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में के.चंद्रशेखर राव की जगह ली। 54 वर्षीय केवल दूसरे मुख्यमंत्री हैं जो 2014 में तेलंगाना के जन्म के बाद से राज्य की कमान संभाल रहे हैं। रेड्डी साथी राजनेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच अपने कभी हार न मानने वाले रवैये के लिए जाने जाते हैं। रेड्डी और उनके मंत्रिमंडल को अब खस्ताहाल खजाने का प्रबंधन करने और कांग्रेस पार्टी द्वारा चुनावों के दौरान की गई छह गारंटियों को पूरा करने की कठिन चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। कहा जाता है कि छह गारंटियों को उजागर करने वाला कांग्रेस का मजबूत अभियान पार्टी की जीत के कारणों में से एक था। हालाँकि, उन्हें पूरा करने के लिए धन ढूँढना एक कठिन कार्य होगा। छह में सबसे आकर्षक है तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा। इन छह गारंटियों को महालक्ष्मी, रयथु भरोसा, गृह ज्योति, ष्इंदिरम्मा इंदलु, ष्युवा विकासमष और ष्चेयुथाष के रूप में वर्गीकृत किया गया था। नवनिर्वाचित तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को शपथ लेने के बाद दो फाइलों पर हस्ताक्षर किए – पहला छह चुनावी गारंटी लागू करना और दूसरा एक विकलांग महिला को नौकरी प्रदान करना। 1. महालक्ष्मीः 2,500 हर महीनेय 500 में गैस सिलेंडरय आरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा। 2. रायथु भरोसाः किसानों, किरायेदार किसानों के लिए हर साल ध15,000 प्रति एकड़य कृषि श्रमिकों के लिए ध12,000 प्रति वर्षय धान की फसल के लिए प्रति वर्ष ध500 का बोनस। 3. गृह ज्योतिः योजना के तहत कांग्रेस ने हर घर को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा किया था। 4. इंदिरम्मा इंदलुः सभी तेलंगाना आंदोलन सेनानियों के लिए 250 वर्ग गज का भूखंडय जिन लोगों के पास अपना घर नहीं है उनके लिए मकान स्थल और ध5 लाख। 5. युवा विकासमः छात्रों के लिए 5 लाख का विद्या भरोसा कार्डय प्रत्येक मंडल में तेलंगाना इंटरनेशनल स्कूल स्थापित करना। 6. चेयुथाः वरिष्ठ नागरिकों के लिए ध4,000 मासिक पेंशनय राजीव आरोग्यश्री बीमा के तहत 10 लाख।

पीएम मोदी बोले- जनता से लूटे गए पैसे की पाई-पाई लौटानी होगी, यह मोदी की गारंटी है

नई दिल्ली (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ओडिशा और झारखंड में कर छापे के दौरान पार्टी के एक सांसद धीरज प्रसाद साहू ठिकानों से करोड़ों रुपये नकद जब्त होने के बाद कांग्रेस पार्टी पर हमला बोला। एक्स को संबोधित करते हुए प्रधान मंत्री ने कहा देशवासी इन नोटों के ढेर को देखें और फिर इनके नेताओं के ईमानदारी के श्भाषणोंश को सुनें...। जनता से जो लूटा है, उसकी पाई–पाई लौटानी पड़ेगी, यह मोदी की गारंटी है। राज्यसभा सांसद से जुड़े परिसरों पर छापेमारी के दौरान आयकर विभाग ने 200 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी जब्त की। ये बरामदगी ओडिशा के कई स्थानों से की गई थी। छापेमारी बुधवार (6 दिसंबर) को शुरू हुई और यह रिपोर्ट लिखे जाने तक जारी थी। आयकर विभाग के सूत्रों के मुताबिक, ओडिशा में बौध डिस्टिलरी प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े परिसरों पर छापेमारी जारी रहेगी, जहां से नकदी बरामद की गई थी। शुक्रवार को, विभाग के अधिकारियों ने बोलांगीर जिले के सुदापाड़ा में छापेमारी के दौरान नकदी से भरे 150 से अधिक बैग बरामद किए। पूर्व आईटी कमिश्नर शरत चंद्र दाश ने कहा कि यह ओडिशा में आयकर विभाग द्वारा अब तक की सबसे बड़ी नकदी जब्ती हो सकती है। दाश ने कहा, ष्मैंने राज्य में इतनी बड़ी मात्रा में नकदी की बरामदगी कभी नहीं देखी। लोकसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट के जरिए विपक्षी दलों पर निशाना साधना तेज कर दिया है।

एबीवीपी राष्ट्रीय सम्मेलन का अमित शाह ने किया उद्घाटन

मैं विद्यार्थी परिषद का ऑर्गेनिक प्रोडक्ट हूं, (एबीवीपी) के अधिवेशन में बोले अमित शाह- आने वाले 25 वर्षों में भारत विश्व गुरु बनेगा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को खुद को विद्यार्थी परिषद का ऑर्गेनिक प्रोडक्ट बताते हुए कहा कि युवाशक्ति किसी भी देश की रीढ़ की हड्डी होती है। वह दिल्ली के बुराड़ी में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमने अपनी सांस्कृतिक विरासत को अपनाया है और दुनिया भर में इसका उचित श्रेय दिया है! मोदी जी ने संकल्प लिया है कि आने वाले 25 वर्षों में भारत विश्व गुरु बनेगा। शाह ने कहा कि विद्यार्थी परिषद ने अनेक मौकों पर संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि ज्ञान, शील, एकता के अपने मूलमंत्र को आत्मसात करते हुए, धैर्यपूर्वक एक पथ का निर्माण किया और देश के सामने, शिक्षा जगत के सामने एवं देश की सीमाओं के सामने जो भी चुनौतियां आईं, उस हर चुनौती के साथ विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने संघर्ष किया है। ये देश के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की 1949 से 2023 तक की यात्रा देश के विकास के साथ–साथ जुड़ी है। ढेर सारी चीजों में विद्यार्थी परिषद ने स्व जोड़ने का संघर्ष किया है। चाहे भाषा का आंदोलन हो, शिक्षा का आंदोलन हो, चाहे संस्कृति को बरकरार रखना हो। हर चीज में स्व का महत्व विद्यार्थी परिषद ने समाज को युवाओं के माध्यम से बताया है। शाह ने कहा कि अमृत महोत्सव और अमृतकाल का जो संकल्प नरेन्द्र मोदी जी ने देश के सामने रखा है, वो आपके लिए है। क्योंकि इसे देखने के लिए आप सभी होंगे। जब आजादी के 100 वर्ष पूरे हों, तब उस आजादी के लिए बलिदान देने वाली सभी हुतात्माओं की कल्पना का भारत बनाने की जिम्मेदारी विद्यार्थी परिषद जैसे संगठन की है, मेरे सामने जो विराट युवाशक्ति बैठी है उसकी है। उन्होंने कहा कि युवाशक्ति किसी भी देश की रीढ़ की हड्डी होती है और युवाशक्ति ही देश एवं समाज को शिखर पर ले जाने का काम करती है। अमित शाह ने कहा कि भारत में ढेर सारे युवाओं ने युग परिवर्तन किया है। आपको तो रास्ता तलाशने की भी जरूरत नहीं है, 75 वर्षों में विद्यार्थी परिषद की पीढ़ियों ने ज्ञान, शील, एकता का जो रास्ता बनाकर रखा है, उसी रास्ते पर आपको चलना है। आपको सिर्फ संकल्प लेने की आवश्यकता है।

भारत का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि हर समस्या के समाधान के लिए आज विश्व भारत की ओर आशा के साथ देख रहा है। आप सभी युवाओं की जिम्मेदारी है कि ये जो परिवर्तन आया है, इस परिवर्तन को सातत्यपूर्ण बनाते हुए हमारी कल्पना के भारत की रचना आपको करनी है। ये देश के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा।

पीएम मोदी की गारंटी के मुरीद हुए व्लादिमीर पुतिन कहा उन्हें डराया-धमकाया नहीं जा सकता

नई दिल्ली (एजेन्सी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक बार फिर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की और कहा कि जब अपने देश के राष्ट्रीय हितों की रक्षा की बात आती है तो भारतीय प्रधान मंत्री सख्त रुख अपनाते हैं। पुतिन ने आगे कहा कि पीएम मोदी को राष्ट्रीय हित और भारत के लोगों के विपरीत कोई भी कार्रवाई या निर्णय लेने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मैं कल्पना नहीं कर सकता कि मोदी को डराया जाएगा या कोई ऐसा कदम या कार्रवाई करने के लिए मजबूर किया जाएगा जो भारत और भारत के लोगों के राष्ट्रीय हितों के खिलाफ होगा। व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि और ऐसा दबाव है, मैं जानता हूं। वैसे वो और मैं इस बारे में कभी बात भी नहीं करते। मैं बस यह देखता हूं कि बाहर से क्या हो रहा है, और कभी–कभी, ईमानदारी से कहूं तो, मैं भारतीय राज्य के राष्ट्रीय हितों की रक्षा पर उनके सख्त रुख से आश्चर्यचकित भी होता हूं। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को रेखांकित करते हुए पुतिन ने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध सभी दिशाओं में ष्उत्तरोत्तर विकसितष हो रहे हैं। मंच पर बोलते हुए, पुतिन ने यह भी कहा कि पीएम मोदी की ष्नीतिष उनके दोनों देशों के बीच संबंधों की प्राथमिक गारंटर है।

महुआ मोइत्रा लोकसभा से निष्कासित, TMC सांसद का दावा, मेरे खिलाफ कोई सबूत नहीं

कैश-फॉर-क्वेरी मामले में आचार समिति की सिफारिश को मंजूरी, रिपोर्ट में महुआ मोइत्रा की संसद सदस्यता रद्द करने की सिफारिश की गई

नई दिल्ली (एजेन्सी)। लोकसभा ने तृणमूल सदस्य महुआ मोइत्रा को सदन से निष्कासित कर दिया है। कैश–फॉर–क्वेरी मामले में आचार समिति की सिफारिश को मंजूरी दे दी गई। रिपोर्ट में महुआ मोइत्रा की संसद सदस्यता रद्द करने की सिफारिश की गई है। इसके बाद विपक्षी सांसदों ने जमकर विरोध दर्ज कराया। रिपोर्ट पेश होने के बाद विपक्ष की ओर से हंगामा किया गया। विपक्षी सांसदों की मांग की कि महुआ मोइत्रा को लोकसभा में बोलने की अनुमति दी जाए, स्पीकर ओम बिरला ने इसकी इजाजत नहीं दी गई। अपने निष्कासन के बाद महुआ मोइत्रा ने कहा कि अगर इस मोदी सरकार ने सोचा कि मुझे चुप कराकर वे अडानी मुद्दे से छुटकारा पा सकते हैं, तो मैं आपको यह बता दूं कि इस कंगारू अदालत ने पूरे भारत को केवल यह दिखाया है कि आपने जो जल्दबाजी और उचित प्रक्रिया का दुरुपयोग किया है, वह दर्शाता है कि अडानी आपके लिए कितना महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि और एक अकेली महिला सांसद को रोकने के लिए आप किस हद तक उसे परेशान करेंगे। उन्होंने कहा कि एथिक्स कमेटी के पास निष्कासित करने की कोई शक्ति नहीं है....यह आपके (भाजपा) अंत की शुरुआत है। ओम बिरला ने कहा कि मेरे पास पहले से चली आ रही परंपराओं की कॉपी है। पूर्व स्पीकर सोमनाथ चटर्जी और प्रणब मुखर्जी पहले यहां थे। उन्होंने जो नियम और परंपराएं दीं, वे हमारे नियम माने जाते हैं। सोमनाथ चटर्जी ने कहा था कि जिन सदस्यों पर आरोप होते हैं उन्हें समिति के सामने बोलने के लिए पर्याप्त समय दिया जाता है। इस सदन की परंपरा है कि पिछले अध्यक्षों द्वारा अपनाई गई परंपराओं को अगले अध्यक्षों द्वारा हमेशा आगे बढ़ाया जाता है। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि निष्पक्ष सुनवाई तभी होगी जब किसी प्रभावित व्यक्ति की बात सुनी जाएगी। अगर किसी प्रभावित व्यक्ति की बात नहीं सुनी जाएगी तो निष्पक्ष सुनवाई नहीं हो सकती...आज हम किसी व्यक्ति के अधिकार का फैसला कर रहे हैं। हम एक व्यक्ति के अधिकार का फैसला कर रहे हैं, हम सभी एक अर्ध–न्यायिक निकाय के रूप में कार्य कर रहे हैं. ..मैं आपसे अनुरोध करता हूं, कृपया महुआ मोइत्रा को सुनने की अनुमति दें। टीएमसी सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय ने अनुरोध किया कि महुआ मोइत्रा को सदन के समक्ष अपना पक्ष रखने की अनुमति दी जाए। उन्होंने कहा कि मैं क्या प्रस्ताव रखता हूं– मेरी पार्टी की प्रवक्ता खुद महुआ मोइत्रा होंगी क्योंकि आरोप उनके खिलाफ है। अनर्गल आरोप लगाए गए हैं। चाहे ये सच हो या गलत, उसे बोलने दीजिए। एथिक्स पैनल की रिपोर्ट पर कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि ये मामला काफी समय से चल रहा है। इससे देशभर में गलत संदेश जा रहा है।

पूर्व सीएम को हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी की आवश्यकता, सामान्य होने में लग सकते हैं 6–8 सप्ताह

नई दिल्ली (एजेन्सी)। तेलंगाना के पूर्व सीएम के चंद्रशेखर राव को अपने आवास के बाथरूम में गिरने के बाद कूल्हे में चोट लग गई है और इसके लिए उन्हें हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी की आवश्यकता होगी। यशोदा अस्पताल सोमाजीगुडा ने एक बयान में कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री को अपने घर पर फिसलकर गिरने के बाद यहां लाया गया था और उनकी सीटी स्कैन रिपोर्ट का मूल्यांकन करने के बाद, उन्होंने पाया कि उनके बाएं कूल्हे में फ्रैक्चर (इंट्राकैप्सुलर नेक ऑफ फीमर फ्रैक्चर) है। अस्पताल ने अपने बयान में कहा कि इसके लिए उन्हें बाएं कूल्हे के प्रतिस्थापन की आवश्यकता होगी और ऐसे मामलों में ठीक होने का सामान्य कोर्स छह से आठ सप्ताह होने की उम्मीद है। ऑर्थोपेडिक, एनेस्थीसिया, जनरल मेडिसिन और दर्द चिकित्सा सहित एक बहु–विषयक टीम द्वारा उनकी लगातार निगरानी की जा रही है। इसमें कहा गया है कि राव की हालत स्थिर है और अस्पताल समय–समय पर उनके स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में जानकारी देगा। केसीआर की बेटी के कविता ने कहा कि मेरे पिता, केसीआर गारू की दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना के कारण एक बड़ी सर्जरी होगी। हम पिताजी के लिए प्रार्थनाओं और आशीर्वादों का प्रवाह देखकर अभिभूत हैं। हम बीआरएस परिवार और शुभचिंतकों के साथ मिलकर अपने नेता केसीआर गारू के शीघ्र और स्वस्थ स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रार्थना करते हैं।

सम्पादकीय

हिंदी पट्टी के राज्यों को 'गौमूत्र राज्य' की संज्ञा देना राजनीतिक बौखलाहट है

तीन राज्यों– राजस्थान, मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक एवं शानदार जीत से इंडिया गठबंधन के विभिन्न राजनीतिक दलों एवं उनके नेताओं की बौखलाहट बढ़ती जा रही है। इसी बौखलाहट का नतीजा है तमिलनाडु की सत्ताधारी दल डीएमके पार्टी के सांसद डीएनवी सेंथिलकुमार के द्वारा संसद में हिंदी पट्टी के राज्यों को 'गौमूत्र राज्य' की संज्ञा देना। उनके ऐसा बोलते ही संसद से लेकर बाहर के राजनीतिक गलियारों में हंगामा खड़ा हो गया। भाजपा ने सेंथिलकुमार के इस बयान का विरोध किया तो सांसद ने माफी मांग ली और लोकसभा की कार्यवाही से उनका बयान अब हटा दिया गया है। साथ ही कांग्रेस ने भी उनके इस बयान से पल्ला झाड़ लिया है। राजनीतिक स्वार्थों एवं संकीर्णताओं के चलते भारत की हजारों साल पुरानी संस्कृति एवं परम्परा को धुंधलाने एवं झुठलाने के ये षड्यंत्र राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता की बड़ी बाधा है। गाय न केवल भारत की सनातन परम्परा बल्कि आम जनजीवन में आस्था का सर्वोच्च केन्द्र है। भारतीय गोवंश को माता का दर्जा दिया गया है इसलिए उन्हें 'गौमाता' कहते है, हमारे शास्त्रों में गाय को पूजनीय बताया गया है। हमारी माताएं बहनें रोटी बनाती हैं तो सबसे पहली रोटी गाय को ही देती हैं। गाय का दूध अमृत तुल्य होता है। न केवल गाय का दूध बल्कि समस्त गौ–उत्पाद भी अमूल्य है। इन दिव्य अमृत पंचगव्य का उपयोग यज्ञ, आध्यात्मिक अनुष्ठानों, बीमारी से निजात पाने और संपूर्ण मानवता के कल्याण के लिए किया जाता है। इसलिये गौमाता को आधार बनाकर भाजपा की जीत पर हमला करने की यह कुचेष्टा न केवल मानसिक दिवालियापन है बल्कि इससे भारत की जनभावनाएं आहत एवं लहूलुहान हुई है। गौमाता पर की गयी यह टिप्पणी एक सम्पूर्ण परम्परा एवं संस्कृति को धुंधलाने की कुचेष्टा है। ऐसी कुचेष्टाएं एवं साजिशें पूर्व में भी हुई हैं। तब भी गौमाता की तरह ही सनातन धर्म पर आपत्तिजनक बयानों से देश को तोड़ने का षड्यंत्र हुआ। तब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे और खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने विवादास्पद बयान में सनातन धर्म की तुलना डेंगी, मच्छर, मलेरिया और कोविड से करते हुए असंख्य सनातनधर्मियों की आस्था पर कुठाराघात किया था। उनकी ही पार्टी डीएमके के सांसद ए. राजा ने तो हदें ही लांघते हुए हिंदू धर्म को 'न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए अभिशाप तक कह दिया था।' इन डीएमके नेताओं के बयानों से जब विवाद संभला नहीं तो उन्होंने सफाई दी, माफी मांग ली। अपनी कही बातों से किनारा पाने की इस बार भी पूर्व की तरह चेष्टा हुई, ये स्थितियां भारतीय राजनीति की विडम्बना एवं विसंगति है। कांग्रेस की हार का कारण ऐसी विसंगतियां ही बनती रही हैं। प्रश्न है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी क्या उत्तर भारतीयों के खिलाफ अपने सहयोगी दल के अपमानजनक बयानों से सहमत हैं? तीन राज्यों में से दो राज्यों– राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ में ही इन चुनावों से पहले उसी की सरकारें थीं। क्या हिन्दी राज्यों का अपमान एवं तिरस्कार करते हुए कांग्रेस आगे बढ़ने की सोच भी सकती है? कांग्रेस कब तक देश को विघटित करने की राजनीति करती रहेगी? क्योंकि कांग्रेस के दबदबे वाली इंडिया गठबंधन में भी डीएमके एक अहम साझेदार है। उत्तर भारत मे 'गौमाता' पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी से कांग्रेस को किनारा करना, उसकी सूझबूझ एवं विवेक से ज्यादा विवशता है। यही कारण है महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री मिलिंद देवड़ा ने इस टिप्पणी पर नाराजगी जताई और इसे अफसोसजनक बताया। उन्होंने खुद को सनातनी कहा है।

कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने भी कहा कि डीएमके की राजनीति अलग है। कांग्रेस उनकी राजनीति से सहमत नहीं है। कांग्रेस 'सनातन धर्म' और 'गौमाता' में भी विश्वास करती है।' क्या कांग्रेस का यह विश्वास सच्चा विश्वास है या वोट हासिल करने का हथियार मात्र है। इंडिया गठबंधन से जुड़े एक खास दल ने सनातनी परंपरा एवं हिन्दू भाषी राज्यों का बहुत बड़ा निरादर किया है। सनातनी परंपरा, सनातनियों एवं हिन्दू राज्यों का इस तरह का अपमान देश कैसे बर्दाश्त करेगा? निश्चित ही देश की आस्था के साथ खिलवाड़ करने वाले दलों एवं नेताओं को जनता मुंहतोड़ जवाब देती है और देती रहेगी। आखिर सवाल यह भी है कि हिंदी या हिंदी भाषी राज्यों के विरोध में डीएमके पार्टी एवं उसके नेता किस हद तक गिरेंगे। हिंदी भाषी राज्यों को लेकर मन में यह दुराग्रह से आखिर क्या हासिल होने वाला है। इससे फायदे की जगह नुकसान ही होता है। डीएमके नेता सीधे–सीधे हिंदी भाषी प्रांतों में रहने वाले लोगों का अपमान कर रहे हैं।

बाबा बालकनाथ को राजस्थान का मुख्यमंत्री बनाकर कई संदेश देना चाहती है भाजपा

राजस्थान में विधानसभा चुनावों से पहले सबसे बड़ा सवाल था कि रिवाज बदलेगा या राज? जनता ने राज बदल कर रिवाज कायम रखा और इस बार सत्ता की बागडोर भाजपा को सौंप दी। भाजपा के हाथ में सत्ता की कमान आने के बाद अब पार्टी को फैसला करना है कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा? देखा जाये तो पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे मुख्यमंत्री पद की प्रबल दावेदार हैं लेकिन आलाकमान के रुख को देख कर लगता नहीं कि उन्हें इस बार सरकार का नेतृत्व करने का अवसर मिलेगा। वसुंधरा राजे जिस तरह पांच साल विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए घर से नहीं निकलीं और अंतिम समय में कुर्सी की चाहत रख रही हैं वह जनता को भी नहीं भा रहा है। इस बीच, राजस्थान में नए मुख्यमंत्री को लेकर जारी कयासों के बीच भाजपा के राज्य प्रभारी अरुण सिंह ने कहा है कि मुख्यमंत्री के संबंध में पार्टी के संसदीय बोर्ड का फैसला सभी को मान्य होगा। दूसरी ओर, नवनिर्वाचित विधायकों का पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से मिलना जारी है, जिसे शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देखा जा रहा है। वसुंधरा राजे खेमे के नेताओं ने दावा किया है कि अब तक लगभग 68 विधायक उनके आवास पर उनसे मिल चुके हैं। हम आपको बता दें कि राज्य में विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 199 सीटों में से 115 पर जीत हासिल की है। राजस्थान में अटकलें तो ऐसी भी हैं कि वसुंधरा राजे से अपने अच्छे राजनीतिक रिश्ते स्वीकार कर चुके निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जरूरत पड़ने पर कांग्रेस विधायकों का समर्थन वसुंधरा राजे को दिलवा सकते हैं। लेकिन वसुंधरा भाजपा से बगावत करेंगी, ऐसी संभावनाएं बेहद कम हैं। हम आपको यह भी बता दें कि भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे 2003 से 2008 और 2013 से 2018 तक दो बार राजस्थान की मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। 2018 में भाजपा की हार और पार्टी के भीतर बदले हालात के बाद ऐसा माना जाने लगा था कि वसुंधरा राजे को किनारे कर दिया गया है। पहले के चुनावों में वह मुख्यमंत्री का चेहरा थीं लेकिन इस विधानसभा चुनाव में पार्टी ने ऐसी कोई घोषणा नहीं की तथा पार्टी के चुनाव चिन्ह 'कमल' और प्रधानमंत्री मोदी के नाम को आगे कर चुनाव लड़ा। हम आपको बता दें कि फिलहाल मुख्यमंत्री पद की दौड़ में अलवर के सांसद और तिजारा से विधानसभा चुनाव जीते बाबा बालकनाथ सबसे आगे चल रहे हैं। बाबा बालकनाथ के व्यक्तित्व का अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत भी हाल में उनके एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। यही नहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बाबा बालकनाथ के नामांकन के समय आये थे और उनके समर्थन में जनसभा को भी संबोधित किया था। यही नहीं, योग गुरु बाबा रामदेव तथा देश के कई प्रमुख संतों ने राजस्थान विधानसभा चुनावों के दौरान जनता से बालकनाथ को चुनाव जिताने की अपील की थी। देखा जाये तो सांसद बालकनाथ को उतार कर तिजारा विधानसभा सीट जीतने की जो रणनीति भाजपा ने बनाई थी वह सफल रही। अब माना जा रहा है कि भाजपा बालकनाथ को राजस्थान की कमान सौंप कर विपक्ष को कई संदेश भी देना चाहती है। देखा जाये तो अशोक गहलोत की सरकार के दौरान राजस्थान में तुष्टिकरण की राजनीति को जिस तरह बढ़ावा दिया गया उसके चलते रामनवमी और अन्य हिंदू त्योहारों पर दंगे और उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड जैसी घटनाएं देखने को मिलीं। धार्मिक प्रवृत्ति वाले इस शांत प्रदेश से लगातार अशांति की जो खबरें आईं वह देश के लिए भी चिंता का विषय बनीं इसीलिए भाजपा एक संत को कमान सौंपने पर विचार कर रही है।

गठबंधन को बचाने के लिए प्रबंधन की दरकार

उनका तर्क था कि प्रस्तावित गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए था, जो राज्य विधानसभा चुनाव में उन्हें नुकसान पहुंचा सकता था, जो उन्हें लगा कि वह आसानी से जीत रहे हैं। उन्हें तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के पुत्र उदयगिरि द्वारा सनातन धर्म पर की गई टिप्पणी से उपजे विवाद की भी जानकारी थी। वह समाजवादी पार्टी, जदयू और वामपंथियों के साथ कुछ ही सीटों को लेकर किसी भी तरह के समझौते के पक्ष में नहीं थे। सभी जानते हैं कि अखिलेश यादव ने इसे कितना बड़ा मुद्दा बनाया, जिसे नीतीश कुमार और ममता बनर्जी का समर्थन भी मिला। दरअसल, मध्य प्रदेश में इस 'अन्य' वर्ग के वोट भाजपा के खाते में पड़े, जिसने भाजपा के वोट प्रतिशत को 46 फीसदी तक पहुंचा दिया, जबकि कांग्रेस 40 फीसदी पर ही ठहर गई।

रशीद किदवई

राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश, इन तीन हिंदी भाषी राज्यों के विधानसभा चुनावों में मिली अप्रत्याशित और अपमानजनक पराजय के बाद कांग्रेस को 'इंडिया' गठबंधन के भीतर से भी कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बमुश्किल 48 घंटों के बाद ही मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख कमलनाथ ने ईवीएम मशीनों के खिलाफ एक सामूहिक मुहिम के लिए जरूरी समर्थन जुटाने हेतु ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और नीतीश कुमार तक पहुंचने की कोशिश की। दरअसल, कमलनाथ चाहते हैं कि 'इंडिया' गठबंधन चुनावों पर न्यायमूर्ति मदन लोकुर की अध्यक्षता वाले सिटिजन कमीशन की सिफारिशों को जोर–शोर से उठाए, जिनके अनुसार ईवीएम मशीनें सत्यापन योग्य नहीं हैं। सिटिजन पैनल के एक सदस्य सुभाशीष बनर्जी का तर्क है कि ईवीएम मशीन के 'स्रोत कोड' को सार्वजनिक होना चाहिए या ईवीएम में केवल एक बार प्रोग्राम करने वाली चिप का ही इस्तेमाल होना चाहिए इत्यादि बातें केवल मुख्य मुद्दे से भटकाने का काम करती हैं। अगर ये सभी मांगें मान भी ली जाएं (माना भी जाना चाहिए), तब भी ईवीएम सत्यापन योग्य नहीं होंगी। लेकिन ईवीएम के कथित दुरुपयोग के लिए 'इंडिया' गठबंधन का समर्थन पाने की कमलनाथ की इस कोशिश में एक बड़ा दोष है। पहला, यह पराजित पक्ष का तर्क है, और, दूसरा, ईवीएम से छेड़छाड़ का यह तर्क तेलंगाना में कांग्रेस के शानदार प्रदर्शन के संदर्भ में अपना अर्थ खोता दिखता है, जहां उसने बीआरएस और भाजपा, दोनों को प्रभावशाली अंतर से हराया, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों के दौरान 'अखिलेश' 'अखिलेश' कहते हुए 'इंडिया' गठबंधन के सहयोगियों को प्रदेश से बाहर रखने के बाद कमलनाथ जिस दुस्साहस के साथ सहयोगियों से समर्थन मांग रहे हैं, उससे अखिलेश, ममता और नीतीश चकित हैं। यह भी याद किया जा सकता है कि तीन महीने पहले सितंबर में दिल्ली में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष शरद पवार के आवास पर विपक्ष के 13 सदस्यीय पैनल की एक बैठक हुई थी, जिसमें 'इंडिया' गठबंधन ने अक्तूबर के पहले हफ्ते में भोपाल में महागठबंधन की पहली बैठक के लिए सहमति जताई गई थी। लेकिन कमलनाथ ने ऐसी किसी सार्वजनिक बैठक की मेजबानी से इन्कार कर दिया था, जो भाजपा सरकार में बढ़ती कीमतों, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर केंद्रित होगी। भोपाल में 'इंडिया' गठबंधन की बैठक को लेकर कमलनाथ के विरोध को कई तरह से देखा जा सकता है।

उनका तर्क था कि प्रस्तावित गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए था, जो राज्य विधानसभा चुनाव में उन्हें नुकसान पहुंचा सकता था, जो उन्हें लगा कि वह आसानी से जीत रहे हैं। उन्हें तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के पुत्र उदयगिरि द्वारा सनातन धर्म पर की गई टिप्पणी से उपजे विवाद की भी जानकारी थी। वह समाजवादी पार्टी, जदयू और वामपंथियों के साथ कुछ ही सीटों को लेकर किसी भी तरह के समझौते के पक्ष में नहीं थे। सभी जानते हैं कि अखिलेश यादव ने इसे कितना बड़ा मुद्दा बनाया, जिसे नीतीश कुमार और ममता बनर्जी का समर्थन भी मिला। दरअसल, मध्य प्रदेश में इस 'अन्य' वर्ग के वोट भाजपा के खाते में पड़े, जिसने भाजपा के वोट प्रतिशत को 46 फीसदी तक पहुंचा दिया, जबकि कांग्रेस 40 फीसदी पर ही ठहर गई। सवाल यह है कि क्या कमलनाथ इस झड़प को टाल सकते थे? व्यापक तौर पर देखें, तो 'इंडिया' गठबंधन के कुछ सहयोगी अब कांग्रेस पर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं। सीटों के बंटवारे के प्रस्तावित फॉर्मूलें को अब टीएमसी, समाजवादी पार्टी, जदयू और आप की तरफ से ज्यादा विरोध का सामना कर पड सकता है। निराशा या अवसरवादिता के चलते 'इंडिया' गठबंधन के टूटने का भी खतरा है, क्योंकि, विपक्ष को डर सताने लगा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजे लगभग तय ही हैं। दरअसल, 'इंडिया' गठबंधन की सभी वार्ताओं में गांधी परिवार एक कमजोर कड़ी बना हुआ है। कांग्रेस में राहुल और प्रियंका गांधी की कोई भूमिका तय नहीं है। मल्लिकार्जुन खरगे को अखिल भारतीय कांग्रेस के 88वें अध्यक्ष बने बेशक एक साल से ऊपर हो चुका है, लेकिन यह बात फैली हुई है कि किसी भी राजनीतिक फैसले या मंजूरी के लिए वह राहुल गांधी के पास जाते हैं। तो, आखिर कांग्रेस के लिए आगे की राह क्या बचती है? विपक्ष या 'इंडिया' गठबंधन को यथाशीघ्र चुनाव– प्रबंधन के तंत्र, वार्ता के बिंदु और सोशल मीडिया नीति को दुरुस्त कर लेना चाहिए। गठबंधन के सामने सबसे बड़ा सवाल नरेंद्र मोदी का है। क्या मतदाताओं की नजर में संभावित विकल्प बने बगैर मौजूदा प्रधानमंत्री से सवाल करना या उनकी आलोचना करना उचित है? 'इंडिया' गठबंधन के लिए कैच–22 (विरोधाभाषी स्थितियों में फंसना) जैसी स्थिति हो गई है। उन्हें मोदी को कठघरे में भी खड़ा करना है, और अपने बीच से किसी को प्रधानमंत्री के चेहरे के तौर पर न दिखाने को लेकर उनमें तकरीबन सहमति भी है। इसी तरह जाति जनगणना और आरक्षण के मुद्दों पर राहुल गांधी का खास जोर और धार्मिक कार्यक्रमों में बदलाव लाने के कांग्रेस के प्रयास कुछ ज्वलंत मुद्दे हैं। कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन में कई लोग ऐसे हैं, जो जाति जनगणना के मुद्दे पर ज्यादा विचार–विमर्श की जरूरत को मानते हैं।

इसी तरह मध्य प्रदेश में कमलनाथ द्वारा शुरू किए गए हिंदुत्व समर्थक कार्यक्रमों पर भी बात होने की पूरी उम्मीद है। 'इंडिया' गठबंधन को अपनी गतिविधियों के व्यापक प्रबंधन के लिए एक पूर्णकालिक संयोजक की भी जरूरत है, जिस पर सहमति नहीं बन पा रही है। किसी से छिपा नहीं है कि इसके लिए ममता बनर्जी, शरद पवार और नीतीश कुमार इसके कुछ दावेदार हैं, बशर्ते कांग्रेस नेतृत्व (गांधी परिवार और खरगे), उनसे औपचारिक अनुरोध करें। दिक्कत यह है कि कांग्रेस की योजना में संयोजक का पद कुछ अस्पष्ट वजहों से 'अनावश्यक' माना जा रहा है। इन चुनौतियों को देखते हुए ममता, नीतीश और अखिलेश जैसे 'इंडिया' गठबंधन के नेता चाहते हैं कि कांग्रेस अपनी तरफ से सुलह के कुछ संकेत दे और अनौपचारिक तौर पर गठबंधन का नेतृत्व क्षेत्रीय दलों को सौंपे। यह कड़वी दवा ही कांग्रेस के लिए एकमात्र उपचार है, जिसके लिए वक्त तेजी से खत्म होता जा रहा है। उनका तर्क था कि प्रस्तावित गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए था, जो राज्य विधानसभा चुनाव में उन्हें नुकसान पहुंचा सकता था, जो उन्हें लगा कि वह आसानी से जीत रहे हैं। उन्हें तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के पुत्र उदयगिरि द्वारा सनातन धर्म पर की गई टिप्पणी से उपजे विवाद की भी जानकारी थी। वह समाजवादी पार्टी, जदयू और वामपंथियों के साथ कुछ ही सीटों को लेकर किसी भी तरह के समझौते के पक्ष में नहीं थे। सभी जानते हैं कि अखिलेश यादव ने इसे कितना बड़ा मुद्दा बनाया, जिसे नीतीश कुमार और ममता बनर्जी का समर्थन भी मिला। दरअसल, मध्य प्रदेश में इस 'अन्य' वर्ग के वोट भाजपा के खाते में पड़े, जिसने भाजपा के वोट प्रतिशत को 46 फीसदी तक पहुंचा दिया, जबकि कांग्रेस 40 फीसदी पर ही ठहर गई। सवाल यह है कि क्या कमलनाथ इस झड़प को टाल सकते थे? व्यापक तौर पर देखें, तो 'इंडिया' गठबंधन के कुछ सहयोगी अब कांग्रेस पर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं। सीटों के बंटवारे के प्रस्तावित फॉर्मूलें को अब टीएमसी, समाजवादी पार्टी, जदयू और आप की तरफ से ज्यादा विरोध का सामना कर पड सकता है।

शादी के सीजन में चमकता सोना, पर खदानों में घट रही है दमक

उत्पादन घटने से तो सोना महंगा हो ही रहा है, जब दुनिया में प्राकृतिक या मानवीय विपदा आती है, तब भी सोने की कीमत बढ़ जाती है। सोना मुसीबत का सच्चा साथी है। इसलिए दुनिया भर के केंद्रीय बैंक अपने पास सोना जमा रखते हैं और जरूरत के हिसाब से बेचते–खरीदते भी हैं। कोविड महामारी के समय भी सोने की कीमतें चढ़ गई थीं और जब ईरान–अमेरिका युद्ध के कगार पर जा पहुंचे थे, तो भी ऐसा ही हुआ। अभी रूस–यूक्रेन युद्ध और इस्राइल–हमास संघर्ष में भी ऐसा ही हुआ। इसकी कीमतें इन कारणों से बढ़ी हैं। लेकिन एक बड़ा कारण यह है कि अमेरिका में इस समय सरकारी बांडों का मूल्य तेजी से गिर रहा है तो दूसरी ओर डॉलर भी महत्वपूर्ण मुद्राओं के मुकाबले नीचे जा रहा है।

मधुरेंद्र सिन्हा

दुर्लभ पीली धातु इस समय सारी दुनिया को चकाचौंध कर रही है। दुनिया भर के कमॉडिटी मार्केट में इसकी चमक है और न्यूयॉर्क कमॉडिटी एक्सचेंज में तो यह 2,000 डॉलर प्रति औंस की सीमा को तोड़ता हुआ 2,028 डॉलर प्रति औंस पर जा पहुंचा। ऐसे में, कुछ विशेषज्ञ कह रहे हैं कि अगर ऐसे ही हालात रहे, तो अगले साल के अंत तक सोना 2,200 डॉलर प्रति औंस पर जा पहुंचेगा। भारत में इस समय शादियों का सीजन चल रहा है और सोना 62,287 रुपये प्रति 10 ग्राम है।

देश में सोना घरेलू कारणों की तुलना में अंतरराष्ट्रीय कारणों से प्रभावित होता है, क्योंकि अपने यहां सोने का उत्पादन नगण्य है, जबकि किसी जमाने में यहां सोने का उत्पादन सबसे ज्यादा था। कोलार की खानें कभी सोना उगलती थीं। अंग्रेजों ने 121 सालों तक यहीं से सोना लूटा और बेहद कठिन परिस्थितियों में मामूली मजदूरी पर लोगों से काम करवाया। आजादी के बाद सोने का उत्पादन कम हो गया, लेकिन 2001 में यहां सोने का उत्पादन बंद ही हो गया। उसके बाद से भारत पूरी तरह से सोने के आयात पर निर्भर हो गया। सोने के प्रति भारतीयों के मोह ने भारत को दुनिया का सबसे बड़ा सोना उत्पादक देश बना दिया। आज देश सालाना औसतन 700 टन सोने का आयात करता है और इसकी वजह से भारत का व्यापार संतुलन गड़बड़ा गया है। कच्चे तेल के बाद हम सोने का ही सबसे ज्यादा आयात करते हैं, जिसका कोई व्यवहारिक उपयोग नहीं है, जबकि चांदी का औद्योगिक उपयोग है। इस साल सोने का आयात घटकर 650 टन होगा, क्योंकि विश्व बाजार में सोना महंगा हो गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने के मूल्य अमेरिका की आर्थिक नीतियों तथा डॉलर के उतार–चढ़ाव पर कमोबेश निर्भर करते हैं। उत्पादन घटने से तो सोना महंगा हो ही रहा है, जब दुनिया में प्राकृतिक या मानवीय विपदा आती है, तब भी सोने की कीमत बढ़ जाती है। सोना मुसीबत का सच्चा साथी है। इसलिए दुनिया भर के केंद्रीय बैंक अपने पास सोना जमा रखते हैं और जरूरत के हिसाब से बेचते–खरीदते भी हैं। कोविड महामारी के समय भी सोने की कीमतें चढ़ गई थीं और जब ईरान–अमेरिका युद्ध के कगार पर जा पहुंचे थे, तो भी ऐसा ही हुआ। अभी रूस–यूक्रेन युद्ध और इस्राइल–हमास संघर्ष में भी ऐसा ही हुआ। इसकी कीमतें इन कारणों से बढ़ी हैं। लेकिन एक बड़ा कारण यह है कि अमेरिका में इस समय सरकारी बांडों का मूल्य तेजी से गिर रहा है तो दूसरी ओर डॉलर भी महत्वपूर्ण मुद्राओं के मुकाबले नीचे जा रहा है।

डॉलर के गिरने का मतलब यह है कि अन्य महत्वपूर्ण मुद्राएं ऊपर जा रही हैं जिससे उन देशों के निवेशक सोना खरीदते हैं। डॉलर और सोने की कीमतों में सीधा संबंध है और इस समय जैसे–जैसे डॉलर गिर रहा है, सोने के दाम बढ़ रहे हैं। सोने में बड़े पैमाने पर सट्टा लगता है और अमेरिका की कुछ कंपनियां तो अरबों डॉलर का सट्टा सोने पर लगाती हैं, जिससे इसकी कीमतों में उतार–चढ़ाव आता रहता है। सोने की खदानों में अब रिजर्व भी घटता जा रहा है। आने वाले समय में अगर नए रिजर्व नहीं मिले, तो सोना अकल्पनीय ऊंचाई पर जा सकता है। इसके अलावा अमेरिकी फेडरल बैंक को यह बात समझ में आ गई है कि महंगाई रोकने के लिए मौद्रिक नीति के इस्तेमाल की अपनी सीमाएं हैं। यानी ब्याज बढ़ाकर महंगाई घटाने का तरीका घिस–पिट गया है, क्योंकि अब मुद्रास्फीति के लक्षण भी बदल गए हैं। अमेरिका में मुद्रास्फीति अब भी ज्यादा है और इस कारण सोने के दाम बढ़ गए हैं, क्योंकि बड़े निवेशक इसमें निवेश कर रहे हैं। पर भविष्य में जब मुद्रास्फीति कम होगी, तो सोने की कीमत भी गिर जाएगी। फिर रूस–यूक्रेन तथा इस्राइल–हमास के बीच चल रहे युद्ध रुकने की संभावना को देखते हुए भी सोने के दाम घटने की उम्मीद है।

अपने यहां पर्व–त्योहारों– जैसे अक्षय तृतीया और दिवाली में सोने की खरीद में तेजी आने से भी उसकी कीमत बढ़ जाती है। फिर चूंकि यहां सोने पर लगभग 17 फीसदी टैक्स है, इस वजह से यह हर देश से महंगा है। महंगा होने के कारण बाजारों में हल्के गहनों की बिक्री ज्यादा है। दुनिया भर के कमॉडिटी मार्केट में इसकी चमक है और न्यूयॉर्क कमॉडिटी एक्सचेंज में तो यह 2,000 डॉलर प्रति औंस की सीमा को तोड़ता हुआ 2,028 डॉलर प्रति औंस पर जा पहुंचा। ऐसे में, कुछ विशेषज्ञ कह रहे हैं कि अगर ऐसे ही हालात रहे, तो अगले साल के अंत तक सोना 2,200 डॉलर प्रति औंस पर जा पहुंचेगा। भारत में इस समय शादियों का सीजन चल रहा है और सोना 62,287 रुपये प्रति 10 ग्राम है। देश में सोना घरेलू कारणों की तुलना में अंतरराष्ट्रीय कारणों से प्रभावित होता है, क्योंकि अपने यहां सोने का उत्पादन नगण्य है, जबकि किसी जमाने में यहां सोने का उत्पादन सबसे ज्यादा था। कोलार की खानें कभी सोना उगलती थीं। अंग्रेजों ने 121 सालों तक यहीं से सोना लूटा और बेहद कठिन परिस्थितियों में मामूली मजदूरी पर लोगों से काम करवाया। आजादी के बाद सोने का उत्पादन कम हो गया, लेकिन 2001 में यहां सोने का उत्पादन बंद ही हो गया। उसके बाद से भारत पूरी तरह से सोने के आयात पर निर्भर हो गया। सोने के प्रति भारतीयों के मोह ने भारत को दुनिया का सबसे बड़ा सोना उत्पादक देश बना दिया। आज देश सालाना औसतन 700 टन सोने का आयात करता है और इसकी वजह से भारत का व्यापार संतुलन गड़बड़ा गया है। कच्चे तेल के बाद हम सोने का ही सबसे ज्यादा आयात करते हैं, जिसका कोई व्यवहारिक उपयोग नहीं है, जबकि चांदी का औद्योगिक उपयोग है। इस साल सोने का आयात घटकर 650 टन होगा, क्योंकि विश्व बाजार में सोना महंगा हो गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने के मूल्य अमेरिका की आर्थिक नीतियों तथा डॉलर के उतार–चढ़ाव पर कमोबेश निर्भर करते हैं। उत्पादन घटने से तो सोना महंगा हो ही रहा है, जब दुनिया में प्राकृतिक या मानवीय विपदा आती है, तब भी सोने की कीमत बढ़ जाती है। सोना मुसीबत का सच्चा साथी है। इसलिए दुनिया भर के केंद्रीय बैंक अपने पास सोना जमा रखते हैं और जरूरत के हिसाब से बेचते–खरीदते भी हैं। कोविड महामारी के समय भी सोने की कीमतें चढ़ गई थीं और जब ईरान–अमेरिका युद्ध के कगार पर जा पहुंचे थे, तो भी ऐसा ही हुआ। अभी रूस–यूक्रेन युद्ध और इस्राइल–हमास संघर्ष में भी ऐसा ही हुआ। इसकी कीमतें इन कारणों से बढ़ी हैं। लेकिन एक बड़ा कारण यह है कि अमेरिका में इस समय सरकारी बांडों का मूल्य तेजी से गिर रहा है तो दूसरी ओर डॉलर भी महत्वपूर्ण मुद्राओं के मुकाबले नीचे जा रहा है। डॉलर के गिरने का मतलब यह है कि अन्य महत्वपूर्ण मुद्राएं ऊपर जा रही हैं जिससे उन देशों के निवेशक सोना खरीदते हैं। डॉलर और सोने की कीमतों में सीधा संबंध है और इस समय जैसे–जैसे डॉलर गिर रहा है, सोने के दाम बढ़ रहे हैं। सोने में बड़े पैमाने पर सट्टा लगता है और अमेरिका की कुछ कंपनियां तो अरबों डॉलर का सट्टा सोने पर लगाती हैं, जिससे इसकी कीमतों में उतार–चढ़ाव आता रहता है। सोने की खदानों में अब रिजर्व भी घटता जा रहा है। आने वाले समय में अगर नए रिजर्व नहीं मिले, तो सोना अकल्पनीय ऊंचाई पर जा सकता है।

इसके अलावा अमेरिकी फेडरल बैंक को यह बात समझ में आ गई है कि महंगाई रोकने के लिए मौद्रिक नीति के इस्तेमाल की अपनी सीमाएं हैं। यानी ब्याज बढ़ाकर महंगाई घटाने का तरीका घिस–पिट गया है, क्योंकि अब मुद्रास्फीति के लक्षण भी बदल गए हैं। अमेरिका में मुद्रास्फीति अब भी ज्यादा है और इस कारण सोने के दाम बढ़ गए हैं, क्योंकि बड़े निवेशक इसमें निवेश कर रहे हैं। पर भविष्य में जब मुद्रास्फीति कम होगी, तो सोने की कीमत भी गिर जाएगी। फिर रूस–यूक्रेन तथा इस्राइल–हमास के बीच चल रहे युद्ध रुकने की संभावना को देखते हुए भी सोने के दाम घटने की उम्मीद है। अपने यहां पर्व–त्योहारों– जैसे अक्षय तृतीया और दिवाली में सोने की खरीद में तेजी आने से भी उसकी कीमत बढ़ जाती है। फिर चूंकि यहां सोने पर लगभग 17 फीसदी टैक्स है, इस वजह से यह हर देश से महंगा है। महंगा होने के कारण बाजारों में हल्के गहनों की बिक्री ज्यादा है।

आपसी कलह विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को ले डूबी

राजस्थान विधानसभा चुनाव में लोगों को जैसी अपेक्षा थी उसी के अनुरूप चुनाव परिणाम देखने को मिले हैं। पिछले पांच विधानसभा चुनाव से प्रदेश में हर बार राज बदलने की परंपरा छठी बार भी कायम रही है। अशोक गहलोत के लाख प्रयासों के उपरांत भी कांग्रेस पार्टी प्रदेश में हर बार सत्ता बदलने का रिवाज नहीं बदल पाई और सत्ता गंवा दी। राजस्थान के मतदाताओं ने भाजपा की भारी बहुमत से ताजपोशी की है ताकि अगले पांच साल तक वह बिना किसी बाधा के राज कर सके। प्रदेश में भाजपा 115 सीटों के पर्याप्त बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। वहीं कांग्रेस का आंकड़ा 108 से घटकर 69 सीटों पर ही सिमट गया है। प्रदेश के मतदाताओं ने तीसरे मोर्चे के नाम पर नेतागिरी कर रहे बड़बोले नेताओं को भी चुनाव में उनकी जगह दिखा दी है। बहुजन समाज पार्टी मात्र दो सीटों पर सिमट गई। वहीं सत्ता की चाबी अपने हाथ में होने का दावा करने वाले नागौर के सांसद व राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल अपनी खुद की खींवसर विधानसभा सीट पर मात्र 2059 मतों के अंतर से जीत सके हैं। उनकी पार्टी के सभी प्रत्याशी पराजित हो गए। चुनाव से कुछ महीना पहले ही बांगड़ के आदिवासी क्षेत्र में बनाई गई भारतीय आदिवासी पार्टी के तीन विधायक जीतने में सफल रहे हैं। हालांकि भारतीय आदिवासी पार्टी आदिवासी क्षेत्र में पहले भारतीय ट्राईबल पार्टी के नाम से पिछले विधानसभा चुनाव में उतरी थी और उसके दो विधायक जीते थे। उन्हीं दोनों विधायकों ने भारतीय आदिवासी पार्टी के नाम से नई पार्टी का गठन किया था। आठ निर्दलीय प्रत्याशी जीते हैं। जिनमें से एक कांग्रेस का व सात भाजपा के बागी थे। विधानसभा चुनाव से पहले अशोक गहलोत ने चौथी बार मुख्यमंत्री बनने के लिए पूरा जोर लगा दिया था। मगर कांग्रेस में चल रही आपसी गुटबाजी के चलते मतदाताओं ने कांग्रेस पार्टी को सिरे से ठुकरा दिया। विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ही पार्टी के मुख्य चेहरे बने हुए थे। उन्हीं के चेहरे पर कांग्रेस ने चुनाव लड़ा था। पार्टी की सभी प्रचार सामग्री पोस्टर, बैनर और होर्डिंगों में अशोक गहलोत ही छाए हुए थे। अशोक गहलोत द्वारा हायर की गई प्रचार कंपनी डिजाईन

ड्रोन के माध्यम से उर्वरक एवं शाकनासी का किया जा छिड़काव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। तिलकधारी महाविद्यालय जौनपुर के कृषि शोध प्रक्षेत्र पीली कोठी पर सस्य विज्ञान विभाग द्वारा आज दिनांक 09ध्12ध्2023 को आधुनिक तकनीकी का प्रदर्शन ड्रोन के माध्यम से उर्वरक एवं शाकनासी का छिड़काव किया जा रहा है इस तकनीकी से संदेश देना है कि कृषि जगत में एक नई क्रांति का उद्गम हो रहा है जिससे व्यवसाय, छत्रों एवं किसानों के लिए उपयोगी निम्न प्रकार से सिद्ध साबित होगा ।

बड़े प्रक्षेत्र के लिए कम समय में उर्वरकों एवं शाकनासी इत्यादि का छिड़काव आसानी से कर सकते हैं इसमें समय एवं श्रम की बचत होगी कम लागत में अधिक लाभ लिया जा सकता है ड्रोन के माध्यम से फसल मूल्यांकन, भूमि अभिलेख का डिजिटलीकरण एवं रसायनों का फसलों पर उचित मात्रा में प्रयोग कर सकते हैं भविष्य में इसके प्रयोग से आर्थिक लाभ लिया जा सकता है।

कृषि में नवाचार को प्रोत्साहित कर रहे प्रो०(डॉ०) श्रीश कुमार सिंह कृषि अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष सस्य विज्ञान विभाग द्वारा छात्रों एवं किसानों को आधुनिक तकनीकी (डॉ०) सी०पी० सिंह, गोपाल स्वरूप पाठक, हरिवंश सिंह एवं वर्षा सिंह (सस्य विज्ञान विभाग) डॉ०हरीबक्स यादव (उद्यान विभाग) डॉ०राजेश कुमार पाल एवं डॉ० मनोज कुमार मौर्या (पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान विभाग) डॉ० मनोज कुमार सिंह (कृषि अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग) की जानकारी से प्रोत्साहित किया।

कृषि नवाचार एवं नामोन्मेषण के क्रम में तिलकधारी महाविद्यालय के प्रबंधक डॉ० राघवेंद्र प्रताप सिंह जी के सौजन्य से IFFCO से सहयोग प्राप्त कर महाविद्यालय के कृषि शोध प्रक्षेत्र पर सभी शिक्षकों एवं छात्रों ने नवाचार का लाभ उठाया एवं गौरवान्वित हुए।तिलकधारी महाविद्यालय जौनपुर के कृषि शोध प्रक्षेत्र पीली कोठी पर सस्य विज्ञान विभाग द्वारा आज दिनांक 09/12/2023 को आधुनिक तकनीकी का प्रदर्शन ड्रोन के माध्यम से उर्वरक एवं शाकनासी का छिड़काव किया जा रहा है इस तकनीकी से संदेश देना है कि कृषि जगत में एक नई क्रांति का उद्गम हो रहा है जिससे व्यवसाय, छत्रों एवं किसानों के लिए उपयोगी निम्न प्रकार से सिद्ध साबित होगा ।

बड़े प्रक्षेत्र के लिए कम समय में उर्वरकों एवं शाकनासी इत्यादि का छिड़काव आसानी से कर सकते हैं इसमें समय एवं श्रम की बचत होगी कम लागत में अधिक लाभ लिया जा सकता है ड्रोन के माध्यम से फसल मूल्यांकन, भूमि अभिलेख का डिजिटलीकरण एवं रसायनों का फसलों पर उचित मात्रा में प्रयोग कर सकते हैं भविष्य में इसके प्रयोग से आर्थिक लाभ लिया जा सकता है।

कृषि में नवाचार को प्रोत्साहित कर रहे प्रो०(डॉ०) श्रीश कुमार सिंह कृषि अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष सस्य विज्ञान विभाग द्वारा छात्रों एवं किसानों को आधुनिक तकनीकी (डॉ०) सी०पी० सिंह, गोपाल स्वरूप पाठक, हरिवंश सिंह एवं वर्षा सिंह (सस्य विज्ञान विभाग) डॉ०हरीबक्स यादव (उद्यान विभाग) डॉ०राजेश कुमार पाल एवं डॉ० मनोज कुमार मौर्या (पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान विभाग) डॉ० मनोज कुमार सिंह (कृषि अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग) की जानकारी से प्रोत्साहित किया।

कृषि नवाचार एवं नामोन्मेषण के क्रम में तिलकधारी महाविद्यालय के प्रबंधक डॉ० राघवेंद्र प्रताप सिंह जी के सौजन्य से IFFCO से सहयोग प्राप्त कर महाविद्यालय के कृषि शोध प्रक्षेत्र पर सभी शिक्षकों एवं छात्रों ने नवाचार का लाभ उठाया एवं गौरवान्वित हुए।

कांग्रेसी सांसद धीरज साहू के भ्रष्टाचार पर भाजपाइयों का हल्ला बोल, कलेक्ट्रेट में दिया धरना

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेसी सांसद धीरज साहू के भ्रष्टाचार के विरुद्ध हल्ला बोलते हुए कांग्रेसी सांसद के घर से पकड़े गए 225 करोड़ की काली कमाई के विरोध में कलेक्ट्रेट परिसर में किया धरना प्रदर्शन और फूंका पुतला।

धरना स्थल पर भाजपा जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने कहा कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई में पीएम नरेंद्र मोदी को जनता का समर्थन मिला है, वही मोहब्बत की दुकान चलाने वाले पीठ पीछे भ्रष्टाचार की दुकान चला रहे है, लेकिन कांग्रेस जनता के हक पर अब डाका नहीं मार पाएगी क्योंकि मोदी ने भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ने की गारंटी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार द्वारा भ्रष्टाचारियों को बिल्कुल भी बख्शा नहीं जाएगा।

जिला अध्यक्ष ने कहा कि, राहुल गांधी जनता को जवाब दें कि उनके पास ऐसे और कितने सांसद हैं जो जनता का पैसा अपने पास जमाखोरी कर बैठे हैं। कांग्रेस नेताओं के भ्रष्टाचार की खुलती पोल पर गांधी परिवार और कांग्रेस अध्यक्ष की चुप्पी यह बताती है कि कांग्रेसियों द्वारा गांधी परिवार की शह पर भ्रष्टाचार किया जाता है। झारखण्ड से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू के ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी में 200 करोड़ से अधिक की नगद राशि बरामद हुई है और जांच अभी जारी है। देश की जनता के सामने कांग्रेस का मूल चरित्र उजागर हो रहा है। भाजपा सरकार में संवैधानिक संस्थाएँ अपना काम स्वतंत्र रूप से करती हैं। वहीं, कांग्रेस सरकार में इन्हें शपिंजरे का तोताश कहा जाता था। कांग्रेस शासनकाल में यदि इन सस्थाओं पर राजनैतिक दबाव नहीं होता तो 2जी, कोयला घोटाले, नेशनल हेराल्ड के अलावा भ्रष्टाचार के ऐसे रिकॉर्ड बनते, जोकि गिनीज बुक में दर्ज करा जाता।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को जनता के सामने जवाब देना होगा कि मोहब्बत की बात करने वाले आखिर उनकी पार्टी के सांसद गरीबों के हक को लूट कर यह पैसा किसको देने के लिए छुपाए थे। कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार की काली कमाई से लोकतंत्र और चुनावों को बदनाम करती है। देश को कभी ईवीएम तो कभी जात पात के मुद्दों पर बांटने की कोशिश में लगी रहती है। कांग्रेस का जनता की सेवा का लक्ष्य नहीं है उसे बस कैसे भी सत्ता चाहिए जिससे कि परिवार की आन बान और शान वापस लौट आए और जनता उनकी गुलामी करती रहे।

धरने में भाजपा विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू ने कांग्रेस के फलते फूलते भ्रष्टाचार और राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान पर चुटकी लेते हुए कहा कि दिन में जिनके नेता गरीबों से मिलने का नाटक करते है, उन्हीं के नेता और सांसद रात में काली कमाई कर नोटों का भंडार भरने में लगे हुए है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का दोहरा चरित्र खुलकर जनता के सामने आ गया है। अभी हाल में छत्तीसगढ़ और राजस्थान में हुए चुनाव में भाजपा को जनता का समर्थन भी इसी बात की मुहर है कि कांग्रेस पार्टी के भ्रष्टाचार से जनता परेशान हो चुकी थी। उनकी मेहनत और हकध का पैसा जनता की सेवा में न लगाकर परिवार की सेवा में लगाया जाता था। कांग्रेस के लिए तो कहावत है जिसकी जितनी थैली भरी उसकी उतनी हिस्सेदारी। कांग्रेस में जो जितनी बड़ी बोली लगाएगा उसको लूट खसूट करने में उतनी बड़ी रियायत मिलेगी। विधायक ने भाजपा सरकार और नरेंद्र मोदी की भ्रष्टाचार के विरुद्ध इनटोलरेंस नीति पर बोलते हुए कहा कि 2014 के बाद से भ्रष्टाचार पर बिना लग लपेट जांच एजेंसियां स्वतंत्र रूप से अपना काम कर रही है और देश को आर्थिक चोट देने वालों को पकड़कर कानून की चौखट पर लाकर खड़ा कर रहीं है। इसीलिए भ्रष्टाचार की चासनी में डूबे इन दलों को नरेंद्र मोदी और भाजपा सरकार फूटी आंख नहीं सुहा रहे है। इसके लिए विपक्ष को बेमेल गठबंधन तक करना पड़ा। इस गठबंधन की पहली परीक्षा में ही हवा निकल गई।

पूर्व जिला अध्यक्ष राम बहादुर सिंह जिला उपाध्यक्ष राजेश अग्निहोत्री कर्मवीर सिंह चौहान संदीप सिंह संजय सिंह गुड्डू प्रीतेश दीक्षित विनोद राठौड़ जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा ओम वर्मा सत्येंद्र राजपूत जिला मंत्री अविनाश पांडे क्रय विक्रय संघ अध्यक्ष सुशील अवस्थी छोटे महाराज पूर्व प्रत्याशी राजा बक्श सिंह सुभाष पांडे महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष अलका गुप्ता ने भी संबोधित किया।

जिला मंत्री अजय शुक्ला जय देवी राजपूत कोषाध्यक्ष डॉ अनुज गुप्ता मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक प्रचार मंत्री संदीप अवस्थी सह मीडिया प्रभारी परेश गुप्ता ब्लॉक प्रमुखगण एवं नगर पालिकाध्यक्ष पंचायत अध्यक्ष गण मोर्चों के अध्यक्ष मंडल अध्यक्ष गण सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दुर्घटना के सर्वाधिक 67 मुकदमों के निस्तारण का बना रिकॉर्ड

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर –अब तक की लोक अदालत में सड़क दुर्घटना के सर्वाधिक मुकदमों के निस्तारण का रिकॉर्ड इस लोक अदालत में बना। ट्रिब्यूनल जज भूदेव गौतम द्वारा सर्वाधिक 67 मुकदमों का निस्तारण किया गया। पीड़ित परिवारों को 4.99 करोड रुपए क्षतिपूर्ति मिलेगी। इसके अलावा 61 प्रकीर्ण मामलों का निस्तारण किया गया जिसमें रिफंड बाउचर के माध्यम से 6.39 करोड रुपए याचीगण के पक्ष में अवमुक्त हुए।याचीगण की ओर से सर्वाधिक 18 मामलों का निस्तारण अधिवक्ता हिमांशु श्रीवास्तव द्वारा कराया गया जिसमें पीड़ित परिवारों को 1.26 करोड रुपए क्षतिपूर्ति मिलेगी। विपक्षी बीमा कंपनी की ओर से अधिवक्ता प्रवीण मोहन श्रीवास्तव द्वारा 22 मुकदमों का निस्तारण कराया गया।

ट्रिब्यूनल जज ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित कर राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ किया। कहा कि लोक अदालत में पक्षकार पूर्ण संतुष्टि पर आपसी सहमति से सौहार्दपूर्ण ढंग से मुकदमों का निस्तारण करते हैं। दोनों पक्ष के अधिवक्ताओं तथा टीपी हब प्रभारियों को लोक अदालत को सफल बनाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया और भविष्य में और अधिक मुकदमों का निस्तारण कर पीड़ित परिवारों को त्वरित क्षतिपूर्ति दिलवाने की अपेक्षा की। पीठ के सदस्य अधिवक्ता हिमांशु श्रीवास्तव व राना प्रताप सिंह ने कहा कि दुर्घटना में परिवार के मुखिया की मृत्यु पर पीड़ित परिवारों को जल्द से जल्द क्षतिपूर्ति की आवश्यकता होती है। ऐसे में लोक अदालत एक प्रभावी अस्त्र साबित होती है। इस अवसर पर अधिवक्ता एसपी सिंह, ए के सिंह, बीएल पटेल, निलेश निषाद,सूर्यमणि पांडेय, अवधेश यादव, जेसी पांडेय,अरविंद अग्रहरि, संतोष सोनकर, मिथिलेश ओझा, जीपी सिंह आदि उपस्थित थे।

लोक अदालत के दिन ही पहली बार सुलह के साथ मिला चेक जौनपुर–23 फरवरी 2021 को स्कूटी से विद्यालय जा रही सिपाह निवासी अध्यापिका नुजहत जहां की सेंट पैट्रिक स्कूल के पास ट्रक चालक की उपेक्षा से दुर्घटना हो गई जिसमें उन्होंने अपना दाहिना पैर खो दिया। बीमा कंपनी से 40 लाख रुपए में सुलह हुई।पहली बार लोक अदालत के दिन ही चोलामंडलम जनरल इंश्योरेंस कंपनी के विधि प्रबंधक आशुतोष मिश्रा प्राधिकरण में उपस्थित हुए और पीड़ित अध्यापिका को 40 लाख रुपए का चेक ट्रिब्यूनल जज भूदेव गौतम व विधि प्रबंधक आशुतोष द्वारा प्रदान किया गया। इसके पूर्व भी विधि प्रबंधक द्वारा अथक प्रयास से इश्तियाक बनाम लाल साहब मुकदमे में याचिका दाखिल होने के मात्र 28 दिन के भीतर पांच लाख रुपए में दोनों पक्षों की आपसी सहमति से सुलह हो गई थी। इस मामले में याची के 8 वर्षीय बच्चे की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हुई थी।

प्राण-प्रतिष्ठा से पहले रामनगरी में चलेगी ई- बसें

सिटी बसों के लिए कुढ़ा केशवपुर में बनेगा चार्जिंग स्टेशन - आरएम रोडवेज

अयोध्या।(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता) अयोध्या में राम मंदिर के प्राण–प्रतिष्ठा को लेकर तैयारियां जोर शोर से चल रही है।नगर निगम अयोध्या महानगर में नगरीय परिवहन सेवा उपलब्ध कराने की तैयारी में है।इसी क्रम में निगम सिटी बसों का संचालन प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले शुरू कराने की तैयारी कर रहा है।नगर निगम की ओर से करीब 50 ई बसें चलवाने की योजना है।लेकिन सूत्र के मुताबिक प्राण प्रतिष्ठा से पहले शुरुआत में केवल 25 बसें चलाई जाएंगी।निगम की नगरीय परिवहन सेवा उपलब्ध कराए जाने के लिए नगर निगम द्वारा नगरीय बसों का एक बेड़ा सड़क पर उतार रहा है। इन बसों का संचालन परिवहन विभाग करेगा। लेकिन निगरानी नगर निगम के पास होगी। राजधानी लखनऊ की तरह ही अयोध्या शहर व अयोध्या धाम में भी एसी ई–बसों को प्राण प्रतिष्ठा समारोह यानी 22 जनवरी से पहले शुरू करने की योजना है। बताते चलें कि निगम की योजना 50 सिटी बसें चलाने की हैं, लेकिन शहर में इतनी बसें एक साथ चलाया जाना अभी निगम के लिए भी चुनौती होगी । इसलिए शुरुआत में 25 ई सिटी बसें ही चलाये जाने की प्रक्रिया चल रही है। बसों का संचालन करने के लिए स्पेशल व्हीकल कमेटी का गठन किया गया है,जिसमें पदेन सचिव आरएम रोडवेज है और नगर आयुक्त उसके सदस्य हैं।ई– बसों को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा के लिए भी शहर की सभी प्रमुख मार्गों पर चलाया जाएगा।क्षेत्रीय प्रबंधक रोडवेज विमल राजन ने बताया कि ई–बसों का संचालन रोडवेज द्वारा किया जाएगा। सभी छह मुख्य मार्गों से कनेक्ट किया जाएगा।इसके अलावा अयोध्या धाम और अयोध्या कैंट रेलवे और तथा बस स्टेशन को भी कनेक्ट किया जाएगा। जिससे श्रद्धालु आसानी से अयोध्या में दर्शन–पूजन कर सकें।वही नगर निगम क्षेत्र के कुढ़ा केशवपुर में लगभग दो एकड़ जमीन पर ई–चार्जिंग स्टेशन भी बनाया जाएगा। यह प्रोजेक्ट करीब 10 करोड़ का है। ई–चार्जिंग स्टेशन निर्माण का काम कार्यदायी संस्था सीएंडडीएस को दिया गया है। इसके लिए डीपीआर बनाकर शासन को भेजा जा चुका है। शासन से धनराशि उपलब्ध होते ही ई चार्जिंग स्टेशन का निर्माण कार्य भी शुरू करा दिया जाएगा। इसके बाद शासन से वातानुकूलित ई बसें उपलब्ध होगी।अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार गुप्ता के मुताबिक नगरीय बसों के संचालन के लिए प्रक्रिया चल रही है। प्राण प्रतिष्ठा से पहले ई बसों का संचालन शुरू हो जाएगा। सिटी बसों के लिए ई चार्जिंग स्टेशन निर्माण का डीपीआर शासन को भेजा गया है।

जामुन की लकड़ी ले जा रह ट्रैक्टर ट्राली को पुलिस ने पकड़ा

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' पाली पुलिस ने गस्त के दौरान शनिवार को अतर्जी की मोड़ पर एक ट्रैक्टर ट्राली को खड़ा देखा तो पुलिस ने जांच पड़ताल की। ट्रैक्टर पर प्रतिबंधित जामुन की लकड़ी लदी हुई थी ।पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ शुरू कर दी। ट्रैक्टर चालक ने अपना नाम बदरुल हसन उर्फ मुन्ना पुत्र नबी उल्लाह मोहल्ला मालिकाना कस्बा पाली का रहने

वाला बताया साथ ही उसने बताया कि वह थाना बेटा गोकुल के एक गांव से जामुन की लकड़ी लेकर आ रहा था पाली कस्बे के ही ठेकेदार जिनका नाम कासिम पुत्र हिमायत मोहल्ला मालिकाना के ही रहने वाले हैं उन्होंने हमारा ट्रैक्टर किराए पर लकड़ी लाने के लिए लिया था जो की ट्रैक्टर के असली मालिक कासिम ही है। पुलिस ने ट्रैक्टर ट्रॉली को कब्जे में लेकर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

अध्यक्ष प्रेमावती की अध्यक्षता मे हुई,जिला पंचायत हरदोई की बोर्ड बैठक

हरदोई के चहुंमुखी विकास हेतु आपसी समन्वय व तालमेल जरूरी : प्रेमावती

हरदोई। (अंबरीष कुमार सक्सेना),आज जिला पंचायत सभागार मे जिला पंचायत, हरदोई की बैठक पूर्व निर्धारित एजेण्डा के अनुसार अध्यक्ष जिला पंचायत प्रेमावती की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुई। बैठक का संचालन अपर मुख्य अधिकारी स्वाति जैन द्वारा किया गया। बैठक मे मुख्य रूप से राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार आबकारी एवं मद्य निषेध उत्तर प्रदेश सरकार नितिन अग्रवाल, मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी, पूर्व अध्यक्ष जिला पंचायत मुकेश अग्रवाल, जिला पंचायत सदस्यगण एवं ब्लाक प्रमुखगण सहित जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक मे जिला पंचायत हरदोई के पुनरीक्षित आय व्ययक वर्ष 2023–24 एवं मूल आय व्ययक वर्ष 2024–25 की स्वीकृति सर्वसम्मति से सदन द्वारा स्वीकार किया गया तथा जिला पंचायत हरदोई के सम्पत्ति एवं विभव कर प्रस्तावना सूची वर्ष 2023–24 सदन सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। जिला पंचायत के निर्माण कार्यों एवं कर अनुभाग से सम्बन्धित पर्यवेक्षण हेतु एक सयुक्त वाहन किराये पर लगाये जाने की स्वीकृति सदन द्वारा सर्वसम्मति से प्रदान की गयी। पचम राज्य वित्त ध 15वीं (टाईडध्अनटाईड) के अन्तर्गत वर्ष 2023–24 की अनुपूरक कार्ययोजना को सदन द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। सदन में चर्चा के दौरान अध्यक्ष प्रेमावती द्वारा जिला स्तरीय समक्ष अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सदस्यों ध जनप्रतिनिधियों द्वारा सदन मे उठाये गये बिन्दुओं की अनुपालन आख्या जिला पंचायत कार्यालय के साथ–साथ जिला पंचायत सदस्यों को समय से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें। चर्चा के दौरान सदस्यों द्वारा विद्युत, पेयजल, शिक्षा, आवास आदि बिन्दुओं पर भी विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिला पंचायत बोर्ड बैठक मे अपने प्रतिनिधियों को न भेजकर स्वयं प्रतिभाग करें।

अन्त मे अध्यक्ष प्रेमावती द्वारा बैठक मे उपस्थित जनप्रतिनिधियों, सदस्यगण एवं अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुये जनपद हरदोई के चहुंमुखी विकास हेतु आपसी समन्वय व तालमेल के माध्यम से अपना सर्वांगीण सहयोग प्रदान करने का अनुरोध करते हुए, बैठक समाप्ति की घोषणा की।

सेंट स्टीफेंस एकेडमी के वार्षिकोत्सव में बच्चों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विद्यालय मनुष्य के संर्वागीण विकास का केंद्र होता है। क्योंकि अभिभावक बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार प्राप्त करने के लिए विद्यालय भेजते हैं। विद्यालय संस्कारशाला है, जहां बच्चों में आपसी सद्भाव, प्रेम के साथ उनमें नेतृत्व की क्षमता विकसित होती है। भाजपा विधायक डॉ नीरज बोरा सेंट स्टीफेंस एकेडमी के वार्षिकोत्सव 'आरंभ' के उद्घाटन के समय में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। बतौर विशिष्ट अतिथि अन ऐडेड स्कूल एसोसिएशन के प्रेसीडेंट एंड सेंट जोसफ ग्रुप स्कूल लखनऊ के चेयरमैन अनिल अग्रवाल, दिल्ली पब्लिक स्कूल एल्डिको की प्रिंसीपल मनीषा एंथवाल प्रिंसिपल, डॉ आनंद किशोर पांडेय, पार्षद मुन्ना मिश्रा शामिल होंगे। समारोह में एकेडमी के बच्चों ने शिक्षात्मक–सांस्कृतिक कार्यक्रम किए। आयोजन संयोजक डॉ आनंद किशोर पांडेय ने बताया कि विभिन्न प्रतियोगिता के प्रतिभावान बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

वार्षिकोत्सव का आगाज बच्चों ने मनमोहक गणेश वंदना से किया। बच्चों ने अपनी जटिल कोरियोग्राफी के साथ नृत्य कर किया। नर्सरी के बच्चों ने मन की उड़ान३शीर्षक प्रस्तुति से प्रशंसा पाई। प्री–प्राइमरी बच्चों द्वारा हॉकी पोकी एक्शन गीत सुनाया। आदि योगी में विभिन्न योग, आसनों जैसे ताड़ासन, सूर्य नमस्कार, पदमासन, चक्र आसन, नौका आसन, भुजंग आसन, शवासन, त्रिकोण आसन, सुखासन, वज्रासन आदि प्रस्तुत किया तो सभागार तालियों से गूंज उठा। एलकेजी के बच्चों ने अपने नृत्य प्रदर्शन से सपनों की दुनिया की सैर कराई। कक्षा एक के बच्चों मंच पर अपने स्कूली जीवन शरारतों को बखूबी पेश किया। शेर–ए–पंजाब में गबरू और मुटियारा, भांगड़ा और लड़कियों का गिद्दा जैसे सांस्कृतिक परफार्मेंस ने प्रशंसा पाई। कक्षा दो के बच्चों ने सृष्टि के पंचतत्वों के महत्व बताए। कव्वाली में माता–पिता और बच्चों की नोकझोंक दिखाई, तो नए पुराने गीतों का सफर प्रस्तुत किया।

स्किट आरंभ और ट्राइम्प ऑफ इंडिया से प्रतिभा का परिचय दिया। हिंदी दिवस, संस्कृत दिवस, गणित प्रश्नोत्तरी, कंप्यूटर प्रश्नोत्तरी, खेल कैलीग्राफी एवं मास्क पेंटिंग इत्यादि में उपलब्धियां प्राप्त कर चुके विद्यार्थियों में अदिति, समृद्धि चौधरी, आकृति, समृद्धि जैसवाल, कीर्ति, शुभी, राशि, अभिजीत, अर्पिता, कृष्णा, साची, सृष्टि, वंशिका, सुनिधि, और रौनक को सेंट जोसफ ग्रुप स्कूल लखनऊ के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने पुरस्कृत कर समापन किया। प्रिंसीपल सोनाली गुप्ता और कैप्टन गुंजन गुप्ता ने बच्चों, अभिभावकों, शिक्षक– शिक्षिकाओं व कर्मचारियों को आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

कर्नल बीरेंद्र सिंह तोमर समेत अनेक पूर्व सैन्य अधिकारियों ने वर- वधू को दिया आशीर्वाद

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

कन्नौज। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कन्नौज टीम ने गुगरापुर निवासी पूर्व सैनिक राम नारायण दीक्षित के पुत्र के विवाह संस्कार में शामिल होकर वर – वधू को आशीर्वाद दिया। सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कन्नौज के पूर्व अधिकारी कर्नल बीरेंद्र सिंह तोमर, अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के जिला अध्यक्ष राजेश सिंह सिसोदिया,कन्नौज जिले के पूर्व सैनिक पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

जनवरी माह में होगा अयोध्या रेलवे स्टेशन का लोकार्पण

प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पहले पूरी कर ली जाएगी जौनपुर से बाराबंकी तक की डबल रेल लाइन – जीएम

अयोध्या। (डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)। शनिवार को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व अयोध्या धाम में बन रहे रेलवे स्टेशन के फेज वन का निर्माण पूरा हो जाएगा।उसे यात्रियों के लिए खोल दिया जाएगा। इसके अलावा बाराबंकी से जौनपुर तक डबल लाइन रेल मार्ग का काम भी पूरा कर लिया जाएगा।अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं को लेकर जानकारी करने एवं भविष्य में अयोध्या में राम मंदिर का दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को भारी को देखते हुए यात्री ट्रेनों की संख्या बढ़ाने और रेल यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधा प्रदान करने के संदर्भ में अधिकारियों के साथ जानकारी करने के लिए आए उत्तर रेलवे के जीएम शोभन चौधरी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा अयोध्या में राम मंदिर के दर्शन के लिए लाखों यात्री 22 जनवरी को और उसके बाद भी यहां आएंगे । इसे देखते हुए कई ट्रेनों को चलाया जाएगा। इसके लिए हम यहां व्यवस्थाओं की जानकारी लेने आए हैं। उन्होंने बताया कि यात्रियों को सुविधा देने के लिए अयोध्या धाम स्टेशन पर बन चुकी फेज वन की बिल्डिंग को खोल दिया जाएगा। इसके अलावा अभी फेस टू का काम प्रारंभ होना है।जो लगभग दो–तीन साल में पूरा होगा। उसके लिए अभी जमीन भी खरीद करनी है । अभी तीन प्लेटफार्म भी बनने हैं । उन्होंने बताया कि फेज वन का पूरा काम दिसंबर में तो नहीं पूरा हो पाएगा लेकिन जनवरी माह में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पहले पूरा कर दिया जाएगा । अभी रेलवे का पूरा ध्यान जौनपुर से बाराबंकी तक रेल मार्ग को डबल लाइन में परिवर्तित करने का है। जिसे प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पहले पूरा कर लिया जाएगा। जब यह रेल मार्ग बन जाएगा तभी ट्रेनों की संख्या में वृद्धि की जा सकेगी।उन्होंने बताया कि अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन का भी निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। किंतु यह कार्य जनवरी माह के बाद में ही प्रारंभ हो पाएगा। इसके अलावा अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशनके माल गोदाम को इसी माह सलारपुर रेलवे स्टेशन को स्थानांतरित कर दिया जाएगा ।यह पूछने पर की कितनी ट्रेनें चलाई जाएगी उन्होंने कहा कि यह तो रेल मंत्रालय ही तय करेगा। निरीक्षण के दौरान उनके साथ डीआरएम लखनऊ मनीष थापलियाल,,आषुतोष पांडेय सीनियर डीसीएम,रेखा शर्मा सीनियर डीसीएम,सीओ यातायात प्रमोद कुमार यादव,प्रभारी निरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल एस के सिंह,उप निरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल अनुज कुमार,उप निरीक्षक राजकीय रेलवे पुलिस विक्टर जेम्स सहित रेलवे विभाग के अन्य अधिकारी व कर्मी मौजूद रहे।

अयोध्या अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट में अग्निशमन विभाग के द्वारा लगाई गई तीन हाईटेक NAFFCO वाहन

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या में श्री राम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट में अग्निशमन विभाग के द्वारा लगाई गई तीन हाईटेक छ।थ्थ्ब वाहन का ट्रायल शुरू किया गया। अयोध्या में निर्माण हो रहे श्रीराम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का शुभारंभ जल्द होने वाला है और खुद देश के प्रधानमंत्री इसका शुभारंभ करेंगे इसी कड़ी में विमान में किसी प्रकार की दुर्घटना को रोकने के लिए अग्निशमन विभाग द्वारा तीन हाईटेक नेफको वाहनों को तैनात किया गया है जिसका ट्रायल किया गया बताते चलें कि यह वाहन आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा तथा वाहन में सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं इसके साथ–साथ किसी भी आपदा में तुरंत काबू पाने में यह हाईटेक वाहन बहुत काम करेगा जिसका अग्निशमन विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों ने ट्रायल किया।

जनवरी माह में होगा अयोध्या रेलवे स्टेशन का लोकार्पण

प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पहले पूरी कर ली जाएगी जौनपुर से बाराबंकी तक की डबल रेल लाइन

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।

अयोध्या में भव्य राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व अयोध्या धाम में बन रहे रेलवे स्टेशन के फेज वन का निर्माण पूरा हो जाएगा । उसे यात्रियों के लिए खोल दिया जाएगा। इसके अलावा बाराबंकी से जौनपुर तक डबल लाइन रेल मार्ग का काम भी पूरा कर लिया जाएगा।अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं को लेकर जानकारी करने एवं भविष्य में अयोध्या में राम मंदिर का दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को भारी को देखते हुए यात्री ट्रेनों की संख्या बढ़ाने और रेल यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधा प्रदान करने के संदर्भ में अधिकारियों के साथ जानकारी करने के लिए आए उत्तर रेलवे के जीएम शोभन चौधरी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा अयोध्या में राम मंदिर के दर्शन के लिए लाखों यात्री 22 जनवरी को और उसके बाद भी यहां आएंगे । इसे देखते हुए कई ट्रेनों को चलाया जाएगा। इसके लिए हम यहां व्यवस्थाओं की जानकारी लेने आए हैं।

उन्होंने बताया कि यात्रियों को सुविधा देने के लिए अयोध्या धाम स्टेशन पर बन चुकी फेज वन की बिल्डिंग को खोल दिया जाएगा। इसके अलावा अभी फेस टू का काम प्रारंभ होना है । जो लगभग दो–तीन साल में पूरा होगा। उसके लिए अभी जमीन भी खरीद करनी है । अभी तीन प्लेटफार्म भी बनने हैं । उन्होंने बताया कि फेज वन का पूरा काम दिसंबर में तो नहीं पूरा हो पाएगा लेकिन जनवरी माह में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पहले पूरा कर दिया जाएगा । अभी रेलवे का पूरा ध्यान जौनपुर से बाराबंकी तक रेल मार्ग को डबल लाइन में परिवर्तित करने का है। जिसे प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पहले पूरा कर लिया जाएगा। जब यह रेल मार्ग बन जाएगा तभी ट्रेनों की संख्या में वृद्धि की जा सकेगी।

उन्होंने ये भी बताया कि अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन का भी निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। किंतु यह कार्य जनवरी माह के बाद में ही प्रारंभ हो पाएगा। इसके अलावा अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशनके माल गोदाम को इसी माह सलारपुर रेलवे स्टेशन को स्थानांतरित कर दिया जाएगा ।यह पूछने पर की कितनी ट्रेनें चलाई जाएगी उन्होंने कहा कि यह तो रेल मंत्रालय ही तय करेगा। निरीक्षण के दौरान उनके साथ डीआरएम लखनऊ मनीष थापलियाल और रेलवे से संबंधित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

युवा मस्तिष्कों को विदेशी कूटनीतिक अनुकरणों में लगाने और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एसकेडी एकेडमी वृन्दावन शाखा में विभिन्न स्कूलों के साथ दो दिवसीय आज एम.यू.एन. यडन्छद्ध प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ

SKd~ एकेडमी वृंदावन शाखा में दो दिवसीय मॉडल यूनाइटेड नेशंस (MUN) इवेंट का शानदार उद्घाटन हुआ, जिसमें युवा मस्तिष्कों को विदेशी कूटनीतिक अनुकरणों में लगाने और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने का मौका मिला। यह समारोह 10 दिसंबर तारीख को समाप्त होने वाले एक बौद्धिक उत्तेजनादायक इवेंट की शुरुआत को सुनिश्चित करता है।

MUN के उद्घाटन समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ जिसमें "ज्ञक् समूह के संस्थापक निदेशक – मनीष सिंह, उप निदेशक निशा सिंह, सहायक निदेशक कुसुम बतरा, संदीपा सिंह, फाउंडर मेंबर एवं चीफ एडवाइजर, समर्थ सिंह फाउंडर एवं सेक्रेटरी जनरल एम्ब्रियोनिक फाउंडेशन सभी को सम्मानित किया गया, शिक्षकों और प्रतिभागियों ने भाग लिया। उन्होंने इस कार्यक्रम में प्रेरणादायक गहन चर्चाओं और वैश्विक कूटनीतिक बहस के लिए मंच बनाया। SKd~ समूह के संस्थापक निदेशक मनीष सिंह ने एक प्रेरणादायक भाषण दिया, जिसमें युवाओं के बीच वैश्विक जागरूकता और कूटनीतिक कौशल की महत्ता पर जोर दिया।

छात्र एकता और उत्साह का प्रदर्शन करते हुए नेतृत्व व कूटनीती की राह पर प्रतिस्थापित हुए। संगठन समिति में सभी प्रतिभागियों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया और इस तरह के इवेंट के महत्त्व को उजागर किया, जो भविष्य के नेताओं को तैयार करने में महत्त्वपूर्ण है।

इस अवसर पर निदेशक मनीष सिंह ने सम्बोधन में कहा कि दो दिवसीय कार्यक्रम में प्रतिभागी वादविवाद, बातचीत और समस्या समाधान अभ्यासों में सम्मिलित होंगे जो वास्तविक विश्व संयुक्त राष्ट्र सत्रों का अनुकरण करेंगे। डन्छ इवेंट का उद्देश्य सिर्फ छात्रों के अंतर्राष्ट्रीय मामलों की समझ को बढ़ाने के साथ–साथ, उनके नेतृत्व और संचार कौशल को भी पोषित करना है।

तीन मंजिला एमसीएच आवासीय भवन समेत नर्सेज छात्रावास जर्जर घोषित

खाली कराने के लिए चस्पा हुई नोटिस, अस्पताल कर्मी आक्रोशित, खड़ा हुआ आवासीय संकट

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार।

स्वास्थ्य महकमें ने तीन मंजिला एमसीएच आवासीय भवन समेत नर्सेज छात्रावास और जेनरेटर रूम को जर्जर घोषित किया है।

इसमें रह रहे कर्मियों को आवास खाली करने के लिए अस्पताल प्रशासन की ओर से नोटिस जारी किया गया है। साथ ही आवासीय भवन के एक–एक कमरे के दरवाजे पर नोटिस लगवाई गई है। पूर्व में स्वास्थ्य कर्मचारियों को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए विभाग की ओर से –जिला अस्पताल में मोर्चरी भवन और महिला अस्पताल स्थित रेन बसेरे के बगल एमसीएच तीन मंजिला आवासीय भवन तथा जिला क्षय रोग अस्पताल के पीछे स्थित नर्सेज छात्रावास का निर्माण कराया गया था। लोक निर्माण विभाग की ओर से निर्माण होने के बाद भवनों को स्वास्थ्य विभाग को हस्तांतरित नहीं किया गया,और स्वास्थ्य कर्मियों ने कमरों में रहना शुरू कर दिया। अस्पताल सप्लाई जोड़ बिजली का इस्तेमाल करने लगे। अब अस्पातल प्रशासन ने सभी को एक सप्ताह में आवास खाली करने की नोटिस दी है और कमरों पर चस्पा कराई है। नोटिस पाने वाले लैब टेक्नीशियन सोनू, पुष्पा, प्रियंका, स्टाफ नर्स नंदिता, सुनीता देवी प्रथम, वार्ड ब्वाय सोनी,ओम प्रकाश आदि का कहना है कि अस्पताल प्रशासन को पहले वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए, तब मकान खाली कराना चाहिए। अब वह लोग कहां जाएं। जिला अस्पताल के प्रभारी एसआईसी डा ब्रिज प्रसाद का कहना है कि 10 सदस्यीय समिति से सर्वे कराया गया तो समिति ने भवन को जर्जर करार दिया है। बिना हैंडओवर हुए लोगों ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। एक सप्ताह में आवास खाली न करने पर मामला प्रशासन के हवाले किया जाएगा। पीड़ित नियमित कर्मी को आवासीय भत्ते का भुगतान होगा।

कांग्रेस ने अपने साथी दलों के साथ झारखंड को सिर्फ लूटने और ठगने का काम किया है : पुष्पराज सिंह

भाजपा जनता के पैसे की हो रही लूट को बर्दाश्त नही करेगी : सीमा द्विवेदी

कांग्रेस ने अपने साथी दलों के साथ मिलकर हमेशा झारखंड को सिर्फ लूटने और ठगने का काम किया है : बी पी सरोज

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। रूभारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह एवं रामविलास पाल के संयुक्त नेतृत्व में कांग्रेस के राज्य सभा सांसद धीरज साहू के विभिन्न ठिकानों से आईटी के छापेमारी में बरामद लगभग 300 करोड़ नकद राशि के भष्ट्राचार के विरोध में कलेक्ट्रेट में विशाल धरना पर्दशन किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कांग्रेस पार्टी पर बड़ा हमला बोला और आये हुये कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह पैसा कांग्रेस के शीर्ष नेता और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के हैं इसके तार छत्तीसगढ़, झारखंड से जुड़े हैं। ये पैसा गरीबों की गाढ़ी कमाई का, शराब घोटाले का है जिसके संकलन कर्ता भी झारखंड के हैं। ये पैसे चुनाव परिणामों को प्रभावित करने के लिए रखे गए थे उन्होंने कहा कि आशंका है कि झारखंड में ईडी के छापे के बाद रातों रात उड़ीसा, बंगाल, बिहार की तरफ एंबुलेंस में ढोकर पैसे ले जाने कि बात आई हैं। भ्रष्टाचार का आलम यह है कि लूट के पैसे से सोना खरीद कर जमीन में गाड़ दिया गया, छुपाया गया जांच जैसे जैसे तेज होगी, ये सब धीरे धीरे सामने आएगा। गरीबों को लूटकर पैसा जमा करने वालों से पाई पाई निकलवाने की मोदीजी की गारंटी है। झारखंड का लूटा हुआ पैसा जनता को लौटाना होगा। जहां कांग्रेस का जनप्रतिनिधि होगा, वहां इस बात की गारंटी है कि वह भ्रष्टाचार अवश्य ही करेगा। ऐसे घोटाले और भ्रष्टाचार के सेंटर का नाम यदि गांधी करप्शन सेंटर रख दिया जाए तो यह गलत नहीं होगा क्योंकि ऐसे सभी कामों की ट्रेनिंग उन्हीं के द्वारा दी जाती है।

राज्यसभा के सांसद सीमा द्विवेदी ने कहा कि सांसद धीरज साहू पर अविलंब एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तार किया जाए और उनसे कड़ाई से पूछताछ हो प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार मुक्त भारत के लिए संकल्पित हैं। भाजपा जनता के पैसे की हो रही लूट को बर्दाश्त नही करेगी। पार्टी सदन से सड़क तक इस मुद्दे को उठाते हुए लगातार संघर्ष करेगी। प्छक्प् एलायंस यानी घमंडिया गठबंधन के नेता भ्रष्टाचार कर लूट खसोट करते हैं और जब म्क, ब्ठप् और प्ज जैसी जांच एजेंसी अपना काम करती हैं, तो सारे भ्रष्टाचारी नेता एक होकर जांच एजेंसियों पर आरोप लगाने लगते हैं। भ्रष्टाचार की काली कमाई से कांग्रेस नेता अपनी जेब भर रहे हैं और यह सारा पैसा गांधी परिवार की तिजोरी तक जाता है। यह सारा पैसा जनता की गाढ़ी कमाई का है, जिससे कांग्रेस के नेता अपने घर भर रहे हैं। यह बहुत आश्चर्यजनक है कि खड़गे, सोनिया गाँधी और राहुल गांधी चुप्पी इन मामलों साधे बैठे हैं।

लोकसभा सांसद बी पी सरोज ने कहा है कि इतनी बड़ी मात्रा में कैश मिलना इस बात की पुष्टि करता है कि कांग्रेस ने अपने साथी दलों के साथ मिलकर हमेशा झारखंड को सिर्फ लूटने और ठगने का काम किया है जनता को अपने झूठे वादों से दिग्भ्रमित कर यह लोग आज सत्ता में बैठ गए हैं। धन राशि जिसे जनता और इस प्रदेश के विकास पर खर्च होना चाहिए था, उसे इन्होंने अपने यहां तिजोरी में बंद कर लिया है। यह पैसा जनता का है, जनता के हक का है। आज इस सरकार की कुशासन व्यवस्था से राज्य के हर वर्ग व समुदाय के लोग परेशान हैं। सरकार ने भ्रष्टाचार को शिष्टाचार बना कर लूट की खुली छूट दे रखी है। घमंडिया गठबंधन के नेता भारत की अर्थव्यवस्था, गरीबों की कमाई अधिकारों को दीमक की तरह खा रहे हैं। कांग्रेस पार्टी, आप, टीएमसी सहित दल आज भ्रष्टाचार का पर्याय बन गए हैं।

पूर्व विधायक सुषमा पटेल ने कहा कि झारखंड के राज्यसभा सांसद धीरज साहू से जुड़ी कंपनियों के यहां पड़ी रेड में इतने नोट मिले हैं कि मशीन से भी गिनती पूरी नहीं हो पा रही है। नोट गिनने वाली मशीन नोट गिनते–गिनते थककर बंद हो गई। देश में अब तक मिला नकदी का यह सबसे बड़ा जखीरा है। धीरज साहू के करीबियों के ठिकाने से 300 करोड़ रुपए नकद मिले हैं।

पूर्व जिलाध्यक्ष हरिशचंद्र सिंह ने कहा कि बौध डिस्टिलरी प्राइवेट लिमिटेड और बलदेव साहू एंड ग्रुप ऑफ कंपनी के खिलाफ टैक्स चोरी की जांच इनकम टैक्स विभाग ने शुरू की जांच के दौरान इतने कैश मिले कि आयकर विभाग के अधिकारी भी दंग रहे गए करीब 300 करोड़ रुपए बरामद हुए हैं इसमें अभी और वृद्धि होने की संभावना है। आयकर के इतिहास में इतनी बड़ी रकम की बरामदगी कभी नहीं हुई थी।

अयोध्या में आयोजित हुआ प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अन्तर्गत जनपद स्तरीय सम्मान समारोह

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या प्रत्येक माह के 1, 9, 16 एवं 24 तारीख को आयोजित होने वाले प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान मे उतकृष्ट कार्य करने वाले अस्पतालों, चिकित्सकों, निजी चिकित्सकों, स्टाफ नर्स, एएनएम एवं आशा को किया गया सम्मानित, आज मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय स्थित सभागार मे मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा संजय जैन की अध्यक्षता मे उक्त संरोह का आयोजन किया गया जिसमे जनपद के सभी ब्लॉक मे अभियान मे उत्कृष्ट कार्य करने हेतु सी एच सी मवई को प्रथम, तारुन को दिवतीय एवं जिला महिला चिकित्सालय को तृतीय पुरुस्कार से सम्मानित किया गया साथ ही चिकित्सकों मे से डा अंजू जायसवाल रुदौली को प्रथम, डा दिप्ती सिंह पूरा बाजार को दिवतीय एवं डा सरिता सिंह मसौधा को तृतीय पुरुस्कार से सम्मानित किया गया, इसी कड़ी मे निजी चिकित्सकों डॉ शालिनी चौहान को प्रथम, डा जयंती चौधरी एवं डा रंजू को दिवतीय एवं डा सईदा रिजवी को तृतीय परुस्कार उक्त अभियान मे योगदान हेतु सम्मानित किया गया, स्टाफ नर्स पुष्पा पाल सोहवाल को प्रथम, गायत्री देवी पूराबाजार को दिवतीय एवं अमिता सिंह तारुन को तृतीय पुरुस्कार एएनएम रागिनी सिंह पूरा बाजार को प्रथम, विनीत सोहवाल को दिवतीय एवं स्वेता जयंती मसौधा को तृतीय पुरुस्कार आशा मालती तारुन को प्रथम, पुनीत पाण्डेय पूरा बाजार को दिवतीय एवं सुमन सिंह रुदौली को तृतीय पुरुस्कार सबसे ज्यादा गर्भवती महिलाओ के जांच कराने हेतु तथा आशा स्नेहलता पूरा बाजार को प्रथम, हेमू मवाई को दिवतीय एवं मधू खण्डासा को तृतीय पुरुस्कार से सबसे ज्यादा उंच जोखिम वाली गर्भवती महिलाओ की संस्थागत प्रसव कराने हेतु को प्रमाण पत्र एवं मोमेंटों देकर सम्मानित किया गया, उक्त अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा पुष्पेंद्र कुमार, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ दीपक पाण्डेय, डा राजेश चौधरी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक राम प्रकाश पटेल, उप जिला स्वास्थ्य एवं सूचना अधिकारी डी पी सिंह, डी सी पी एम अमित कुमार एवं डॉ हममाद, मनोज मौर्या आदि उपस्थित रहे।

प्राण-प्रतिष्ठा से पहले रामनगरी में चलेगी ई- बसें,सिटी बसों के लिए कुढ़ा केशवपुर में बनेगा चार्जिंग स्टेशन

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या में राम मंदिर के प्राण–प्रतिष्ठा को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं।

नगर निगम अयोध्या महानगर में नगरीय परिवहन सेवा उपलब्ध कराने की तैयारी में है।

इसी क्रम में निगम सिटी बसों का संचालन प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले शुरू कराने की तैयारी कर रहा है। नगर निगम की ओर से करीब 50 ई बसें चलवाने की योजना है, लेकिन प्राण प्रतिष्ठा से पहले शुरुआत में केवल 25 बसें चलाई जाएंगी निगम की नगरीय परिवहन सेवा उपलब्ध कराए जाने के लिए नगर निगम द्वारा नगरीय बसों का एक बेड़ा सड़क पर उतार रहा है। इन बसों का संचालन परिवहन विभाग करेगा।

लेकिन निगरानी नगर निगम के पास होगी राजधानी लखनऊ की तरह ही अयोध्या शहर व अयोध्या धाम में भी एसी ई–बसों को प्राण प्रतिष्ठा समारोह यानी 22 जनवरी से पहले शुरू करने की योजना है निगम की योजना 50 सिटी बसें चलाने की हैं,

लेकिन शहर में इतनी बसें एक साथ चलाया जाना अभी निगम के लिए भी चुनौती होगी ।

इसलिए शुरुआत में 25 ई सिटी बसें ही चलाये जाने की प्रक्रिया चल रही है। बसों का संचालन करने के लिए स्पेशल व्हीकल कमेटी का गठन किया गया है,जिसमें पदेन सचिव आरएम रोडवेज है और नगर आयुक्त उसके सदस्य हैं।

ई– बसों को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा के लिए भी शहर की सभी प्रमुख मार्गों पर चलाया जाएगा क्षेत्रीय प्रबंधक रोडवेज विमल राजन ने बताया कि ई–बसों का संचालन रोडवेज द्वारा किया जाएगा। सभी छह मुख्य मार्गों से कनेक्ट किया जाएगा।

इसके अलावा अयोध्या धाम और अयोध्या कैंट रेलवे और तथा बस स्टेशन को भी कनेक्ट किया जाएगा।

जिससे श्रद्धालु आसानी से अयोध्या में दर्शन–पूजन कर सकें नगर निगम क्षेत्र के कुढ़ा केशवपुर में लगभग दो एकड़ जमीन पर ई–चार्जिंग स्टेशन भी बनाया जाएगा।

यह प्रोजेक्ट करीब 10 करोड़ का है। ई–चार्जिंग स्टेशन निर्माण का काम कार्यदायी संस्था सीएंडडीएस को दिया गया है। इसके लिए डीपीआर बनाकर शासन को भेजा जा चुका है। शासन से धनराशि उपलब्ध होते ही ई चार्जिंग स्टेशन का निर्माण कार्य भी शुरू करा दिया जाएगा।

हिन्दी सांध्य दैनिक **देश की उपासना**

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।